राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 361
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 23 नवंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा डीएम की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण समीक्षा बैठक संपन्न | पेज 4 आगरा में तेज रफ्तार डंपर ने छात्रा को कुचला, मौत | पेज 6 महिला विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची

संक्षिप्त खबरें

आईटीबीपी जवान ने गोली मारकर खुद को उड़ाया

बेतिया। बेतिया में शनिवार शाम आईटीबीपी के एक जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र के कोहंड भवानीपुर स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय की है, जहां चुनाव ड्यूटी के दौरान जवानों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी। जवान ने स्कूल की छत पर खुद को गोली मारी। फिलहाल आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है। मृतक की पहचान गौतम कुमार यादव (33) के रूप में हुई है, जो झारखंड के धनबाद के चिरकुंडा का रहने वाला था। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ रजनीश कांत प्रियदर्शी मौके पर पहुंचे।

कांग्रेस ने प्रतिभा सिंह को हिमाचल अध्यक्ष पद से हटाया

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस हाईकमान ने एससीकार्ड खेलते हुए विधायक विनय कुमार को पार्टी अध्यक्ष बनाया है। पार्टी ने शिमला संसदीय क्षेत्र के रेणुकाजी से तीसरी बार के एमएलए पर भरोसा जताया है। विनय कुमार अब प्रतिभा सिंह की जगह लेंगे। विनय कुमार सिरमौर जिला की श्री रेणुकाजी सीट से 3 बार के विधायक है। शनिवार को उन्होंने डिप्टी स्पीकर पद से इस्तीफा दे दिया। स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया। विनय कुमार पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के करीबी रहे हैं। वीरभद्र सिंह के निधन के बाद कांग्रेस ने प्रतिभा सिंह को अप्रैल 2022 में जब पार्टी अध्यक्ष बनाया तो उसके बाद विनय कुमार को वर्किंग प्रेसिडेंट बनाया गया।

संसद के शीतकालीन सत्र में 10 बिल पेश होंगे

प्राइवेट कंपनियों को एटॉमिक पॉवर प्लांट लगाने की परमिशन

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में एटॉमिक एनर्जी बिल समेत 10 नए बिल पेश हो सकते हैं। लोकसभा बुलेटिन में शनिवार को यह जानकारी दी गई। एटॉमिक एनर्जी बिल में प्राइवेट कंपनियों को भी न्यूक्लियर पॉवर प्लांट लगाने की अनुमति मिल सकेगी।

अभी देश में सारे न्यूक्लियर पावर प्लांट्स सरकार के कंट्रोल वाली कंपनियों (जैसे NPCIL) के जरिए ही बनाए जाते हैं। नए बिल में संशोधन के बाद निजी कंपनियां (भारतीय और विदेशी दोनों) न्यूक्लियर पावर प्रोडक्शन में आ सकेंगी।

सत्र के दौरान जो दूसरा बड़ा बिल पेश होगा वो हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल है। इसके तहत अलग-अलग संस्थाओं (GC, AICTE, NCTE) को खत्म कर उन्हें एक ही कमीशन में जोड़ दिया जाएगा।

संसद का शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन में पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी।

सप्लाई में चूक के कारण कोल्ड्रिफ सिरप में मिल गया जहरीला केमीकल, यही बना 24 बच्चों की मौत का कारण

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में विषाक्त कफ सीरप से 24 बच्चों की मौत के मामले में एसआइटी ने शनिवार को भी आरोपित पांड्या केमिकल कंपनी के मालिक शैलेष पांड्या से पूछताछ की, इसमें अहम सुराग मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि कोल्ड्रिफ कफ सीरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स तमिलनाडु ने पांड्या केमिकल को 50 किग्रा डाय-एथिलीन ग्लाइकाल (डीईजी) का ऑर्डर किया था। कंपनी 215 किग्रा के फार्मा ग्रेड के पैक में डीईजी की सप्लाई करती है। जल्दबाजी में उसने इंडस्ट्रियल ग्रेड का लूज माल सप्लाई कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से जुड़े नियम बदले

- अब एक्यूआई 200+ होने पर ऑफिस टाइम बदलेगा
- 400+ में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 'ग्रेप' यानी ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान को और सख्त कर दिया है। अब कई बड़े कदम शुरुआत में ही लागू होंगे, ताकि हवा बिगड़ने से पहले हालात संभल सकें।

शनिवार सुबह दिल्ली-एनसीआर का औसत एक्यूआई 360 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी है। CAQM ने बताया कि नए कदम वैज्ञानिक डेटा, विशेषज्ञों की राय और पिछले अनुभवों के आधार पर लिए गए हैं। सभी एजेंसियों को इन्हें तुरंत लागू करने के निर्देश मिले हैं।

अब जो नियम पहले 'ग्रेप'-2 पर लगते थे, वे अब 'ग्रेप'-1 में ही लागू होंगे। 'ग्रेप'-3 के कई नियम 'ग्रेप'-2 में और 'ग्रेप'-4 के नियम अब 'ग्रेप'-3 में लगेंगे। 'ग्रेप'-4 में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वर्क-फ्रॉम-होम देने का प्रावधान भी शामिल है।

'ग्रेप'-3 के कुछ नियम अब 'ग्रेप'-2 में

पहले जो कदम एक्यूआई 301-400 के बीच में होने पर लागू होते थे, अब एक्यूआई 201-300 में ही लागू होंगे। इसमें दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा में सरकारी ऑफिसों के समय में बदलाव किया जाता है। इसके अलावा केंद्र सरकार भी अपने ऑफिसों के टाइम बदलने पर विचार कर सकती है।

अब एक्यूआई 400+ होने पर लागू होंगे

जो नियम पहले एक्यूआई 450+ होने पर लागू होते थे, अब एक्यूआई 401-450 के बीच में होने पर ही लागू होंगे। इनमें सरकारी, निजी और नगर निगम दफ्तरों में सिर्फ 50 प्रतिशत स्टाफ बुलाना, बाकी कर्मचारियों के लिए वर्क-फ्रॉम-होम शामिल है। इसके अलावा केंद्र सरकार भी अपने कर्मचारियों पर यह मॉडल अपना सकती है।

एमपी में एक ही दिन में 1500 से अधिक स्थानों पर जलाई गई पराली, नहीं हो रही एफआईआर

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और कई शहरों में प्रदूषण का खतरनाक स्तर होने के बाद भी पराली जलाने की घटनाएं रुक नहीं पा रही हैं। स्थिति यह है कि नवंबर माह में अब तक इसके लिए संवेदनशील पांच बड़े राज्यों में पराली जलाने के 21 हजार 266 मामले सामने आए हैं। इनमें अकेले मध्य प्रदेश में 11 हजार 442 यानी 50 प्रतिशत से अधिक मामले हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सैटेलाइट से लिए गए चित्रों के अनुसार, चौंकाने वाली बात यह है कि गत 16 नवंबर को एक ही दिन में 1520 मामले मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए हैं। इसी माह नवंबर में उत्तर प्रदेश में 3780, पंजाब में 3434, राजस्थान में 2104, हरियाणा में 3218 और दिल्ली में दो मामले दर्ज किए गए। लेकिन ऐसे मामले लगातार सामने आने के बाद भी पराली जलाने वालों पर कार्रवाई में ढिलाई की जा रही है।

नेपाल और बांग्लादेश में अशांति के बाद 'चिकन नेक' की सुरक्षा दोगुनी

सिलीगुड़ी। बांग्लादेश और नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता और दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद चिकन नेक यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर सरकार चिंतित है। इसी कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा दोगुनी करने का फैसला लिया गया है। साथ ही उत्तर बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में निगरानी भी दोगुनी की जाएगी। गृह मंत्री अमित शाह ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर समेत अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया था। उसके बाद ही सभी जांच एजेंसियों की सक्रियता बढ़ गई है। शनिवार को बंगाल में दार्जिलिंग जिले के अधीन सिलीगुड़ी में केंद्रीय खुफिया ब्यूरो (सेंट्रल आइबी) के कार्यालय में हाई लेवल स्टेट सब्सिडियरी मल्टी एजेंसी सेंटर की बैठक हुई। इसी बैठक में यह निर्णय लिया गया। सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर इस मुद्दे पर खुलकर बोलने से बचते नजर आए।

19 दिन में 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत

एसआईआर अभियान के दौरान गुजरात-एमपी में 4-4, बंगाल में 3, राजस्थान-तमिलनाडु, केरल में एक-एक की जान गई

नई दिल्ली/ भोपाल/ अहमदाबाद/ कोलकाता/ चेन्नई। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन गई हैं। 21 नवंबर की रात से 22 नवंबर के मध्य प्रदेश में दो बीएलओ की बीमारी के कारण मौत हो गई। मध्य प्रदेश के भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है।

निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

बंगाल : दूसरा सुसाइड, अब तक 3 की मौत हुई

पश्चिम बंगाल : में नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है।

राजस्थान : जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक।

गुजरात : 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती।

जज बोले : राहुल गांधी 18 दिसंबर को हाजिर हों

- 7 महीने पहले कहा था- भगवान राम काल्पनिक हैं; वाराणसी कोर्ट में हो रही सुनवाई

वाराणसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी या उनके वकील शुक्रवार को भी वाराणसी कोर्ट नहीं पहुंचे। इस वजह से उनके मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। अब 18 दिसंबर को सुनवाई होगी।

विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुर्वेद विक्रम सिंह ने कहा कि अगली सुनवाई (18 दिसंबर) पर राहुल गांधी या उनके वकील कोर्ट आएं। जिससे सुनवाई हो सके। राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। इस मामले में वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

दिल्ली- आईएसआई कनेक्शन वाला हथियार तस्करी नेटवर्क पकड़ा

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगाते; लॉरेंस-गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे

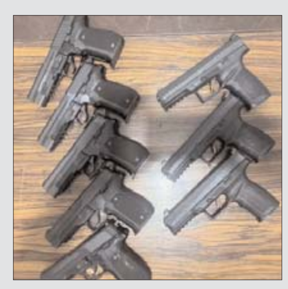

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को आईएसआई कनेक्शन वाले एक बड़े इंटरनेशनल हथियार तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हाईटेक हथियार मंगवाकर लॉरेंस, गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, उन्हें इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियार सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी एरिया में ट्रैप बिछाकर आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से तुर्की और चीन में बने 10 हाई-टेक पिस्टल और 92 जिंदा कारतूस बरामद किए।

पुलिस का कहना है कि बरामद किए गए हथियार बहुत आधुनिक हैं और इनके पीछे बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। इससे लग रहा है कि यह तस्करी का संगठित और हाई-फंडेड मॉड्यूल था।

हथियार पहले तुर्किये-चीन से पाकिस्तान पहुंचाए जाते थे

पुलिस के मुताबिक यह रैकेट पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहा था। हथियार पहले तुर्किये और चीन से पाकिस्तान पहुंचाए जाते, फिर वहां से ड्रोन के जरिए पंजाब में गिराए जाते थे। इसके बाद इन्हें यूपी और पंजाब के तस्करों की मदद से दिल्ली और आसपास के राज्यों तक भेजा जाता था और इसे लॉरेंस, बंबिहा, गोगी और हिमांशु भाऊ गैंग को पहुंचाया जाता था। नेटवर्क हवाला के जरिए पाकिस्तान पैसा भेजता था।

क्राइम ब्रांच पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी

गिरफ्तार आरोपी पंजाब और यूपी के रहने वाले हैं। इनका नाम मनदीप, अजय, दलविंदर और रोहन है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि अब तक कितनी खेप भारत में भेजी जा चुकी है और किन गैंग्स तक हथियार पहुंचे। क्राइम ब्रांच मोबाइल लोकेशन, बैंक रिकॉर्ड और सोशल मीडिया लिंक के जरिए पूरे नेटवर्क और उसके विदेशी कनेक्शन की जांच कर रही है।

हैप्पी मॉर्निंग

एक कंजूस पिता का बेटा अपनी गर्लफ्रेंड के साथ डेट पर गया
पिता (गुस्से में)- नालायक डेट पर कितने रुपए खर्च किए तुने?
बेटा - 500 रुपए
पिता- 500 रुपए खर्च करते हुए तुझे शर्म नहीं आई
बेटा- वो इतने ही लेकर आई थी.....

शायरी

रफ़ाक़तों का मिरी उस को ध्यान कितना था
ज़मीन ले ली मगर आसमान छोड़ गया

दिल्ली ब्लास्ट : आतंकी डॉक्टर्स की अलग-अलग हैंडलर को रिपोर्टिंग थी

हथियारों के लिए फंडिंग की; उसी पैसे के लिए झगड़े थे उमर-मुजम्मिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट मामले में इंटेलिजेंस एजेंसियों ने एक बड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क, हैंडलर्स की चेन और कई को-ऑर्डिनेटेड हमलों की तैयारी का खुलासा किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया मॉड्यूल का हर आरोपी एक अलग हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था।

मुजम्मिल का हैंडलर अलग था, जबकि ब्लास्ट करने वाला उमर दूसरे हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था।

दो खास हैंडलर मंसूर और हाशिम एक सीनियर हैंडलर इब्राहिम के अंडर काम कर रहे थे, जो मॉड्यूल की पूरी एक्टिविटीज को सुपरवाइज कर रहा था। ये सभी हैंडलर लेयर्स में काम कर रहे थे।

उधर, जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी ने शनिवार को 'टेरर मॉड्यूल' केस में श्रीनगर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शहर के बटमालू इलाके के निवासी तुफेल नियाज भट के रूप में हुई है। नियाज भट इलेक्ट्रिशियन के रूप में काम करता था।

जीएमसी श्रीनगर में एमबीबीएस की पढ़ाई करते समय उमर और नियाज बटमालू में एक ही जगह किराएदार के तौर पर रहते थे। नियाज ने डॉ. अदील अहमद राथर के लिए 6.5 लाख में एके-47 राइफल खरीदी थी। यही राइफल 8 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट से दो दिन पहले अनंतनाग में डॉक्टर के लॉकर रूम से बरामद हुई थी।

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,231.92
-400.76 (0.47%)
निफ्टी:
26,068.15
-124.00

मौसम

अधिकतम : 24 डिग्री से0
न्यूनतम : 11 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 6 : 52
सूर्यास्त रविवार : 5 : 26

एमपी में घना कोहरा, 100 मीटर विजिबिलिटी

- उत्तराखंड में भारत के पहले गांव में पानी जमा; बद्रीनाथ में टेंपरेचर -11 पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी है। उत्तराखंड के चमोली में भारत के प्रथम गांव माणा के पास 18 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित धार्मिक स्थल देवताल का पानी जमने लगा है। बद्रीनाथ में टेंपरेचर -11 पहुंच गया है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर समेत कई शहरों में हल्का कोहरा छाया रहा। हालांकि रात का न्यूनतम तापमान 1 डिग्री तक बढ़कर कई शहरों में सिंगल से डबल डिजिट में आ गया।

पिछले 24 घंटे के दौरान हिल स्टेशन माउंट आबू 2 डिग्री सेल्सियस को छोड़कर सबसे ठंडा शहर सीकर के पास फतेहपुर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मध्यप्रदेश के शाजापुर में घना कोहरा छाया। विजिबिलिटी 100 मीटर तक ही रही। रात का पारा 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। हालांकि रविवार से मौसम बदलेगा, शीतलहर से राहत मिलेगी और न्यूनतम तापमान बढ़ेगा।

सरेंडर | 20-20 लाख रुपये के इनामी थे स्टेट कमेटी के तीन सदस्य

सुरक्षा बलों के दबाव का असर, 37 माओवादियों ने डाले हथियार

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में शनिवार को 37 भूमिगत माओवादियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया। इनमें प्रमुख माओवादी कोयड्डा संबैया उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश और मूचकी सोमादा उर्फ एर्रा शामिल हैं, जिन पर 20-20 लाख रुपये का इनाम था।

ये तीनों लंबे समय से तेलंगाना और दंडकारण्य क्षेत्र में संगठन की रणनीति और प्रशिक्षण गतिविधियों के केंद्रीय स्तंभ माने जाते थे। समर्पण करने वाले माओवादियों का कहना है कि सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई और दबाव ने भूमिगत जीवन को लगभग असंभव बना दिया था।

किस-किसने किया समर्पण

समर्पण करने वालों में दक्षिण बस्तर दंडकारण्य स्पेशल जोन कमेटी (डीकेएसजेडसी) की सदस्य मदावी सोना और टीम प्रभारी हेमला अडुमे रीना भी शामिल हैं। ये दोनों सुकमा-बीजापुर क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों के महत्वपूर्ण अंग माने जाते थे। हिड़मा के लड़ाकू दल के प्रमुख माओवादी मदावी कोसा उर्फ रमेश और नुपो सुकी भी आत्मसमर्पण करने वालों में शामिल हैं।

लड़ाकू दल में शामिल माओवादी आमतौर पर लंबे समय तक संगठन से अलग नहीं होते, इसलिए उनका मुख्यधारा में लौटना माओवादी सैन्य ढांचे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इसके साथ ही दक्षिण बस्तर के विभिन्न हिंसक दलों, प्रेस टीम, सप्लाई टीम, सुरक्षा दस्तों और कृषि इकाइयों से जुड़े 23 अन्य माओवादियों ने भी समर्पण किया।

इस दौरान, सात सदस्यों ने अपने हथियार भी पुलिस के हवाले किए, जिनमें आठ बंदूकें, एक एके-47, दो एसएलआर और चार थ्रीनाटथ्री रायफलें शामिल हैं।माओवादी संगठन में बढ़ रही खाईसमर्पित माओवादियों ने बताया कि संगठन में बढ़ती वैचारिक खाई, नेतृत्व में अविश्वास, गुटबाजी और कठोर जीवनशैली ने उन्हें परेशान कर दिया था।

शीर्ष नेतृत्व की विचारधारा और जमीनी हकीकत के बीच भारी अंतर ने कई कैडरों को निराश किया। समर्पण करने वाले माओवादियों को तेलंगाना सरकार की पुनर्वास नीति के तहत 1.41 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि चेक और डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रदान की गई। इसमें स्टेट कमेटी मेंबर को 20 लाख रुपये, डिविजनल कमेटी सदस्यों को पांच लाख, एरिया कमेटी मेंबर को चार लाख और पार्टी सदस्य को एक लाख रुपये दिए गए।

संपादकीय

दिल्ली-एनसीआर में सांसों पर संकट : जवाबदेही किसकी?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

22 नवंबर 2025 को दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली हो चुकी है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 370 के आसपास है, जो वेरी पुअर कैटेगरी में आता है। गाजियाबाद में यह 434 (सीवियर), नोएडा में 394 और ग्रेटर नोएडा में 364 तक पहुंच गया है। पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की सुरक्षित सीमा (25 माइक्रोग्राम/घन मीटर) से 10-15 गुना ज्यादा है, जबकि पीएम10 भी खतरनाक स्तर पर है। सुबह-सुबह घना स्मॉग छा जाता है, जिससे विजिबिलिटी घटकर 100 मीटर से नीचे रह जाती है। बच्चे, बुजुर्ग और अस्थमा रोगी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं—सांस लेना मुश्किल, गले में खराश, आंखों में जलन और फेफड़ों में सूजन जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। अभिनेत्री कृति सेनन ने हाल ही में कहा, दिल्ली की हवा पहले जैसी नहीं रही, यह बदतर हो रही है। कुछ तो किया जाए, वरना एक-दूसरे को देखना भी मुश्किल हो जाएगा।

यह संकट नया नहीं है। हर सर्दी में अक्टूबर-फरवरी के बीच प्रदूषण चरम पर पहुंच जाता है। लेकिन इस बार दिवाली के पटाखों और ठंडी हवाओं ने इसे और गहरा कर दिया। मेट्रो तापमान गिरने से वातावरण में प्रदूषक कण फंस जाते हैं, हवा की गति कम होने से धुआं दिल्ली तक पहुंचता है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम के मुताबिक, 22 नवंबर को एक्यूआई सीवियर कैटेगरी में प्रवेश कर चुका है, और अगले कुछ दिनों तक राहत की उम्मीद नहीं।

प्रदूषण के मुख्य स्रोत : बहु-आयामी खतरा

दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण किसी एक समस्या का नतीजा नहीं, बल्कि कई कारकों का मिश्रण है। सीपीसीबी और आईक्यूएअर डेटा से पता चलता है कि

पराली जलाना (30-40 प्रतिशत) : पंजाब-हरियाणा के किसान फसल अवशेष जलाते हैं। नवंबर में यह पीक पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों को स्टबल बर्निंग रोकने की स्टेटस रिपोर्ट देने का आदेश दिया है, लेकिन प्रभावी कार्रवाई की कमी है।

वाहनों से उत्सर्जन (20-25 प्रतिशत): दिल्ली में 1 करोड़ से ज्यादा वाहन हैं। डीजल बसें, कारें और ट्रक नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड फैलाते हैं। मॉर्निंग पीक आवर्स में ट्रैफिक जाम से यह समस्या दोगुनी हो जाती है।

निर्माण और धूल (15-20 प्रतिशत): अनियंत्रित कंस्ट्रक्शन साइट्स से उड़ती धूल पीएम10 बढ़ाती है। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) स्टेज-3 के तहत निर्माण पर बैन है, लेकिन प्रवर्तन ढीला है।

उद्योग और पावर प्लांट्स (10-15 प्रतिशत) : एनसीआर के थर्मल प्लांट्स और फैक्टरियां सल्फर डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। ईंट भट्ठों पर प्रतिबंध है, फिर भी अवैध संचालन जारी।

अन्य : दिवाली पटाखों से ओजोन बढ़ा, ठंडी हवाओं ने ट्रैपिंग बढ़ाई। विकिपीडिया के अनुसार, दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में टॉप पर है, जहां एक्यूआई कभी 1200 तक पहुंच गया।

ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या सीमाओं से परे है—पंजाब से धुआं, हरियाणा से वाहन, यूपी से उद्योग।

स्वास्थ्य पर कहर : सिगरेट का धुआं सांस लेना

प्रदूषण सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि जिंदगियों का सवाल है। एक्यूआई 300 से ऊपर होने पर यह सांस लेने के बराबर है कि रोज 10-15 सिगरेट पी ली जाएं। लैंसेट स्टडी के मुताबिक, दिल्ली में हर साल 20 लाख से ज्यादा मौतें प्रदूषण से जुड़ी हैं—फेफड़ों का कैंसर, हार्ट अटैक, ब्रोंकाइटिस। बच्चे सबसे जोखिम में- सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में आउटडोर स्पोर्ट्स स्थगित करने का निर्देश दिया। अस्पतालों में सांस की बीमारियों के केस 40 प्रतिशत बढ़ गए। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, मेरा 6 महीने का बेटा रोज खांसी की दवा ले रहा है। दिल्ली छोड़ना ही एकमात्र रास्ता लगता है। लंदन से लौटे लोगों को तो एक्यूआई 200 पर ही सांस लेना दर्दनाक लगता है।

ग्रेप और सरकारी कदम : कितने प्रभावी?

कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने ग्रेप स्टेज-3 लागू किया : निर्माण बंद, डीजल जेनरेटर प्रतिबंधित, ऑड-ईवन ट्रायल, 50 प्रतिशत सरकारी कर्मी वर्क फ्रॉम होम। क्लाउड सीडिंग एक्सपेरिमेंट (कृत्रिम बारिश) करोड़ों खर्च के बाद फेल हो गया। दिल्ली सरकार ने 15 साल पुराने वाहनों पर फ्यूल बैन किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-राज्य सरकारों को फटकार लगाई। फिर भी, एक्यूआई गिरने का नाम नहीं ले रहा।

जवाबदेही किसकी? साझा जिम्मेदारी, लेकिन...

प्रदूषण का दोष किसी एक का नहीं—केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय और नागरिक सब जिम्मेदार।

केंद्र सरकार: CAQM की स्थापना की, लेकिन इंटर-स्टेट कोऑर्डिनेशन कमजोर। स्टबल बर्निंग पर सब्सिडी वाले हार्वेस्टर मशीनें देरी से पहुंचीं।

राज्य सरकारें : पंजाब-हरियाणा पर किसानों को दंडित करने का बोझ, दिल्ली पर वाहन नियंत्रण। आप सरकार पर डेटा छिपाने का आरोप लगा।

स्थानीय निकाय : धूल नियंत्रण और कचरा प्रबंधन में लापरवाही। अवैध निर्माण को रोकने में भ्रष्टाचार।

नागरिक और उद्योग : पटाखे फोड़ना, कार पूल न करना, प्रदूषक फैक्टरियां चलाना।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह मौसमी समस्या नहीं, मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि 70 प्रतिशत जिम्मेदारी प्रशासन की, 30 प्रतिशत व्यक्तिगत।

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

-ललित गर्ग-

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दर्शाते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गई। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेज़न और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेज़ी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेज़ी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दर्शाती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ।

यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है।

डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है।

पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3718

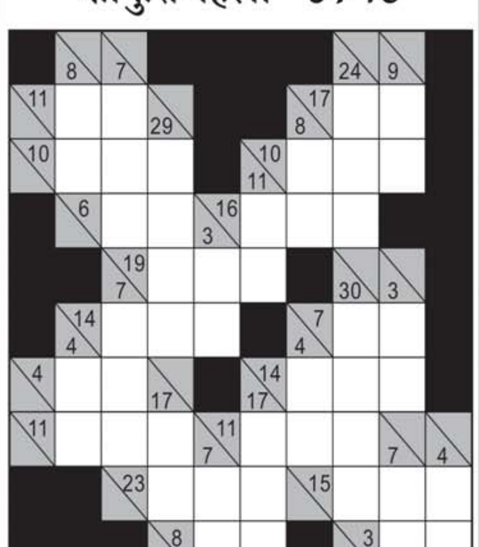

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

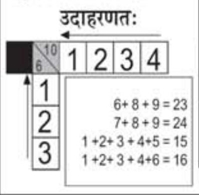

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3717 का हल

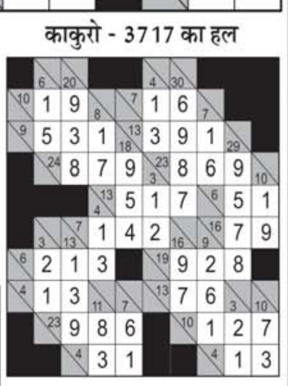

लॉफिंग जौन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3718

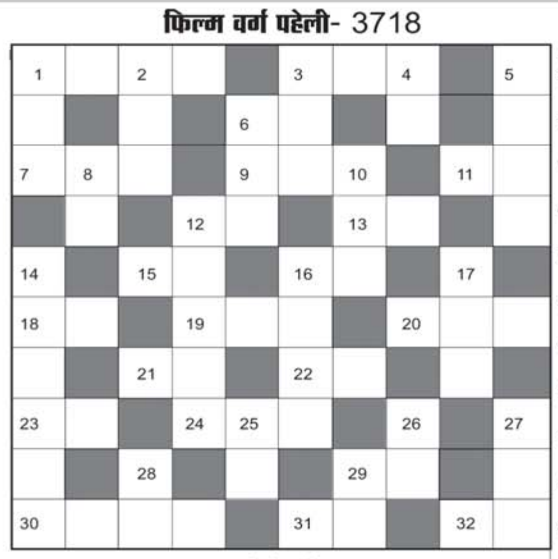

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3717

सूडोकु -3718

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3717 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 3718

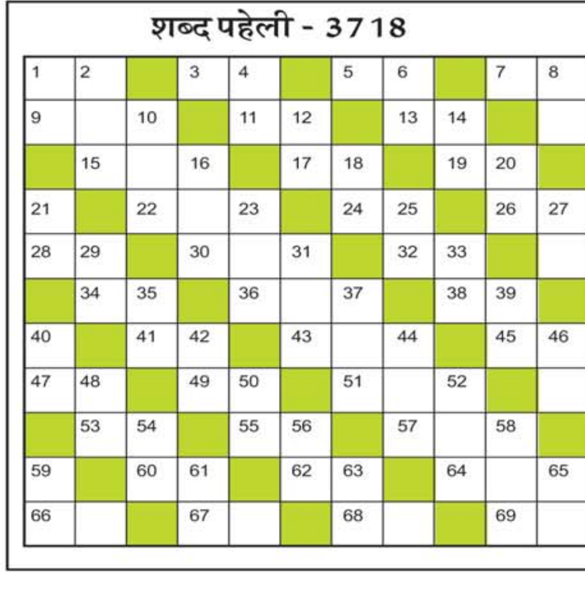

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली - 3117 का हल

नोएडा डीएम की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण समीक्षा बैठक संपन्न

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश
- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होगी क्षम्य : जिलाधिकारी

गौतम बुद्ध नगर। मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत गणना प्रपत्रों का वितरण, प्राप्ति और डिजिटाईजेशन का कार्य जनपद की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में विगत दिवस देर रात्रि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम की अध्यक्षता में पंचशील बालक इंटर कॉलेज, नोएडा में आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सुपरवाइजर और बीएलओ उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अद्यतन प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने कार्यों की विस्तृत एवं गहन समीक्षा करते हुए 5 प्रतिशत से कम प्रगति दर्ज कराने वाले अधिकारियों को तत्काल शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन अधिकारियों की प्रगति शून्य प्रतिशत है, उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी तथा एक दिन का वेतन रोका जाएगा। इसके साथ ही सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले बीएलओ एवं सुपरवाइजर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित कि शिथिलता बरतने वाले 181 बीएलओ (आंगनबाड़ी कार्यकत्री) के विरुद्ध सेवा समाप्ति के नोटिस तथा सभी सीडीपीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि एवं विभागीय कार्रवाई के नोटिस जारी किए जाएं। इसी प्रकार बेसिक शिक्षा अधिकारी को 191 सहायक अध्यापक एवं 113 शिक्षामित्रों के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि वे डोर-टू-डोर भ्रमण कर मतदाताओं से गणना प्रपत्र संकलित करें तथा नियमित रूप से मतदेय स्थल पर उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि मतदेय स्थल पर उपस्थिति एवं सक्रियता सुनिश्चित करना बीएलओ की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों का भौतिक निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि बीएलओ नियमित रूप से अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहें। अनुपस्थिति की स्थिति में कठोर कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाए।

जिलाधिकारी ने विभागाध्यक्षों व कार्यालयाध्यक्षों को भी निर्देशित किया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में नियुक्त उनके अधीनस्थ सभी कार्मिक अपने आवंटित मतदेय स्थलों पर सक्रिय रूप से गणना प्रपत्र संकलन का कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह कार्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव को मजबूत करता है, अत: किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करते हुए कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

'पनाश विला या विनाश विला' : नोएडा का नया शाहबेरी घोटाला तैयार?

विशेष संवाददाता, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

जब कानून नींव में दफन हो जाए, तो निर्माण नहीं विध्वंस होता है।

ग्रेटर नोएडा की चमचमाती गलियों और प्रगति के दावों के बीच ESCON Infra Realtor ने जिस तरह से Panache Villas नाम से Surajpur Site C और Sector 150 Noida में प्रोजेक्ट खड़ा किया है, वह एक गंभीर शहरी आपदा की पटकथा बनता जा रहा है।

☞ ना मानचित्र स्वीकृत, ना लेआउट पास, फिर भी धड़ल्ले से निर्माण!

☞ ना रेरा में पंजीकरण, ना प्राधिकरण से एनओसी — फिर भी बुकिंग खुलेआम!

☞ बैंक और NBFC की साठगांठ से लोन पास, सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार — क्या यही है 'नया भारत'?

Panache VILLAS

एक नहीं, अनेक सवाल उठ खड़े हुए हैं:

1. प्राधिकरण की नींद क्यों नहीं टूटी? क्या यह सब बिना 'ऊपर' की सहमति के संभव है?
2. रेरा चुप क्यों है? जिस प्रोजेक्ट का नाम तक रेरा में नहीं, वहां लोग कैसे लाखों-करोड़ों की बुकिंग कर रहे हैं?
3. क्या शाहबेरी त्रासदी से कोई सबक नहीं सीखा? जिस तरह शाहबेरी में बिना मंजूरी निर्माण से सैकड़ों परिवार बर्बाद हुए, क्या वही कहानी दुबारा लिखी जा रही है?
4. ESCON Infra Realtor की फाइलें अब तक किस ड्रॉअर में दबाई गई हैं?

शिकायतें दी गईं – क्या मिलेगा सिर्फ आश्वासन?

प्रेस विज्ञप्ति, दस्तावेज़, सोशल मीडिया पोस्ट, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।

'जब अधिकारी साजिश में शामिल हो जाएं तो पीड़ित की पुकार भी चीख बन जाती है।' — **एक भुक्तभोगी का बयान**

बिक रही हैं सपने, गिरने के लिए तैयार हैं दीवारें!

"ESCON Villas" जैसी स्कीमों में आम जनता अपने जीवन की जमा-पूंजी लगाती है। और अगर कल को बिल्डिंग ढह जाए, तो क्या प्राधिकरण और रेरा सिर्फ अपनी 'जिम्मेदारी की सीमा' का हवाला देंगे?

अब सवाल उठता है :

'क्या ESCON अगला शाहबेरी बनेगा या समय रहते प्रशासन जागेगा?'

ईंटें बोलती हैं यहां, नक्शे खामोश हैं,
ये कैसी इमारतें हैं जहां नियम लाशें ढोते हैं।

पनाश विला या विनाश विला

ग्रेटर नोएडा के जनता फ्लैट में लगी आग

कड़ी मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड ने पाया काबू, सामान जलकर राख

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बीटा-1 स्थित जनता फ्लैट में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग लगने से आसपास अफरा-तफरी मच गई और फ्लैट से धुआं निकलने लगा। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग और पुलिस को दी।

जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। हालांकि, फ्लैट में रखा कीमती सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि शनिवार दोपहर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। यह आग जनता फ्लैट्स में द्वितीय तल पर एक फ्लैट में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि जिस समय आग लगी, उस समय फ्लैट में कोई भी मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन फ्लैट में रखा हुआ सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी।

आग इतनी तेज थी कि घर में रखा फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कपड़े और अन्य घरेलू चीजें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का मुख्य कारण माना जा रहा है। बीटा-2 थाना क्षेत्र की पुलिस और दमकल विभाग आग के सही कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में किसानों ने की पंचायत

जेवर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) ने ग्रेटर नोएडा तहसील पर एक पंचायत का आयोजन किया। तहसील अध्यक्ष वेदपाल शर्मा के नेतृत्व में हुई इस पंचायत की अध्यक्षता पंडित रामकुमार शर्मा ने की, जबकि संचालन कपिल नागर एडवोकेट ने किया। किसानों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।

जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा ने आरोप लगाया कि अधिकारी किसानों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ पीड़ित किसानों के खेतों का अभी तक कोई सर्वे नहीं हुआ है।

शर्मा ने यह भी कहा कि मंडी समिति के अधिकारी धान की खरीद से इनकार कर रहे हैं। इसके अलावा, डूब क्षेत्र की रजिस्ट्रियां तो हो रही हैं, लेकिन तहसील स्तर पर उनका दाखिल-खारिज नहीं हो पा रहा है। नवादा और दनकौर के किसानों के चक मार्ग खोलने की सूचना कई बार देने के बाद भी आज तक नहीं खोले गए हैं। श्मशान भूमि का रास्ता भी बंद पड़ा है।

किसानों ने अपनी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर उनकी सभी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करेंगे।

इस दौरान जयवीर कसाना, धीरज प्रमुख, बॉबी नागर, डॉक्टर ओम प्रकाश, दिनेश शर्मा, प्रवीण शर्मा, सुंदर शर्मा, गजराज नागर, सुबोध भाटी, कुलदीप, विजेंद्र चौहान, राहुल शर्मा, महाराज सिंह, बिज्जन नागर, गजेंद्र नागर, देवेंद्र शर्मा, मोहन शर्मा, जयकिशन नागर, रोहित नागर, हरेंद्र नागर, विनोद भाटी, विनीत शर्मा, सहदेव रावत, रणवीर अवाना, आदेश शर्मा और मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चपरगढ़ में पुलिस ने रोकी किसान एकता संघ की पदयात्रा

जेवर। किसान एकता संघ की पदयात्रा को शनिवार शाम को दनकौर क्षेत्र के चपरगढ़ गांव के पास पुलिस ने रोक दिया। यह यात्रा जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जेवर से जिला मुख्यालय के लिए निकाली गई थी। यात्रा रोके जाने के दौरान पुलिस और किसानों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद अन्य किसान संगठनों के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस कमिश्नर ने किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि 30 नवंबर तक प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ किसानों की वार्ता कराई जाएगी। इस आश्वासन के बाद किसान संघर्ष मोर्चा ने अपना आंदोलन 30 नवंबर तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि 30 नवंबर तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो वे 1 दिसंबर से फिर से बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। चपरगढ़ में एकत्रित किसानों को किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रूपेश वर्मा, किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा और किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरन प्रधान ने संबोधित किया।

नोएडा में कारोबारी से ठगे 2.90 करोड़

फेसबुक पर महिला ने बिजनेसमैन से दोस्ती की, ट्रेडिंग के नाम पर कराया निवेश

नोएडा। नोएडा सेक्टर 11 में रहने वाले गत्ते के कार्टून बॉक्स बनाने वाली फैक्ट्री के मालिक को साइबर अपराधियों ने ट्रेडिंग के बहाने उनसे 2 करोड़ 90 लाख रुपए की ठगी कर ली। 25 जून फेसबुक पर एक महिला फेसबुक पर दोस्त बनी। इसके बाद महिला ने बिजनेस मैन का वॉट्सऐप लेकर बातचीत शुरू की। महिला ने ट्रेडिंग में निवेश कर 20 प्रतिशत तक लाभ होने की योजना बताई।

साथ ही एक एप डाउनलोड कराया। जिस पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद पीड़ित ने पहली बार 50 हजार रुपए निवेश किया।

पीड़ित ने चार महीने में कुल 17 बार में 2.90 करोड़ रुपए ठगों के खाते में ट्रांसफर कर दिए। जो कि ऐप बढ़कर 7.90 करोड़ रुपए मुनाफे की रकम दिखने लगी।

उन्होंने रुपए निकालने की कोशिश की तो उनसे टैक्स के रूप में रुपए की मांग की गई। तब उन्हें ठगी के बारे में जानकारी हुई और साइबर थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस रकम ट्रांसफर हुए खातों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को नितिन पांडे ने बताया कि वह सेक्टर 11 में परिवार संग रहते हैं। वह गत्ते के कार्टून बॉक्स बनाने वाली फैक्ट्री के मालिक हैं। जोकि ग्रेटर नोएडा में चलती है। इसी साल 25 जून को उन्हें फेसबुक के माध्यम से मध्य प्रदेश की रहने वाली सुनैना शर्मा नाम की महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई।

प्रोफाइल देखने के बाद नितिन ने रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली। दोनों की फेसबुक के मैसेंजर पर बातचीत शुरू हुई और कुछ दिनों के बाद वॉट्सऐप पर जुड़ गए। पीड़ित के अनुसार शुरुआती दौर में उसने सामान्य बातें की।

20 प्रतिशत तक दिखा प्रॉफिट

धीरे-धीरे दोनों की गहरी दोस्ती हो गई और दोनों एक दूसरे पर विश्वास करने लगे। पीड़ित के अनुसार इसी बीच उस महिला ने कहा कि वह बिजनेस के साथ शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करें तो मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। महिला ने अपना वॉलेट भी दिखाया। जिसमें हर सेशन में लगभग 15-20 प्रतिशत का हाई रिटर्न और प्रॉफिट दिख रहा था। पीड़ित उसके अनुरोध पर और रिटर्न से प्रभावित होकर फाइनलटो पर एक अकाउंट बनाकर ट्रेडिंग शुरू कर दी।

50 हजार से 4 महीने में 2.90 करोड़

शुरुआत में 4 जुलाई 2025 को उसने 50 हजार रुपए से निवेश किया, जिस पर ठगों ने उन्हें मुनाफे के कुछ रुपए ऐप पर दिखाए। झांसे में आने के बाद उन्होंने 4 महीनों में 17 ट्रांजैक्शन के साथ के साथ 2 करोड़ 90 लाख रुपए ठगों के खाते में ट्रांसफर कर दिए।

पुलिस को नितिन पांडे ने बताया कि ऐप पर हर रोज रकम बढ़ती हुई दिखाई देती थी। इस वजह से उसने अपने रिश्तेदार और परिवार वालों से कर्ज लेकर ठगों को रुपए देता रहा। निवेश की रकम बढ़ी हुई रकम जो 7.90 करोड़ रुपए ऐप पर दिखाई दे रही थी।

सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची अद्यतन पर जिलाधिकारी ने सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेटों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गौतम बुद्ध नगर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में आज विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम हेतु नियुक्त सेक्टर तथा जोनल मजिस्ट्रेटों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप पुनरीक्षण कार्यों को प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से संपादित किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट टास्क फोर्स की कार्यप्रणाली की प्रतिदिन निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बीएलओ द्वारा क्षेत्र में समय से पहुंचना, घर-घर भ्रमण कर फार्म 6 के माध्यम से नए मतदाताओं का पंजीकरण, शिफ्टेड और संशोधन हेतु फार्म 8 का संग्रहण तथा मतदाता सूची के अद्यतन से संबंधित सभी दायित्वों का समुचित निर्वहन अनिवार्य है।

उन्होंने निर्देशित किया कि यदि किसी क्षेत्र में बीएलओ को स्थानीय सूचनाएं प्राप्त करने में कठिनाई हो, तो सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट सुपरवाइजरों, प्राधिकरण के कोऑर्डिनेटरों तथा राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के सहयोग से समस्याओं का तत्काल समाधान कराएं।

बाप-बेटे ने कारोबारी को ऑफिस में पीटा

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में शुक्रवार रात एक व्यवसायी पर पिता-पुत्र ने हमला कर दिया। यह हमला कोर्ट में चल रहे एक केस को लेकर हुए विवाद के कारण किया गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घायल व्यवसायी को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के समसपुर गांव निवासी व्यवसायी संदीप बैसला ने बताया कि शुक्रवार रात वे अपने कार्यालय में बैठे थे। इसी दौरान दनकौर क़स्बे के टीचर कॉलोनी निवासी श्रीपाल और उनके बेटे तनुश वहां पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने संदीप पर कोर्ट में विचाराधीन एक केस वापस लेने का दबाव बनाया। जब संदीप ने इसका विरोध किया, तो पिता-पुत्र ने कार्यालय के अंदर ही उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं। हमले के बाद आरोपी पिता-पुत्र संदीप को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। पुलिस ने संदीप बैसला की शिकायत पर आरोपी श्रीपाल और उनके बेटे तनुश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा के एनआरआई सोसाइटी में लिफ्ट गिरी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में एक बार फिर लिफ्ट गिरने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह परी चौक के पास स्थित एसडीएस एनआरआई सोसाइटी में एक लिफ्ट ग्राउंड फ्लोर पर गिर गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त लिफ्ट में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यह घटना सोसाइटी के एफ ब्लॉक में हुई, जहां लिफ्ट ऊपर की मंजिल से सीधे नीचे आ गिरी। लिफ्ट इतनी तेजी से गिरी कि उसका दरवाजा भी टूट गया। इस घटना से सोसाइटी के निवासियों में भारी रोष है। निवासियों ने सोसाइटी की समिति और मेंटेनेंस टीम पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि भारी मेंटेनेंस चार्ज लेने के बावजूद सुविधाएं नहीं मिल रही हैं और रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है। सोसाइटी की एक महिला निवासी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। महिला ने बताया कि इस घटना के बाद पूरी सोसाइटी में डर का माहौल है और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। निवासियों ने एओए पर सही तरीके से सोसाइटी में मेंटेनेंस न करने का आरोप लगाया है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

गौतम बुद्ध नगर। मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम के नेतृत्व में जनपद में 04 नवंबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 तक विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए थे। जिसके क्रम में उप जिलाधिकारी सदर/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र 62-दादरी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही, उदासीनता बरतने व उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने वाले 32 बीएलओ व 01 सुपरवाइजर पर लोक प्रतिनिधित्व 1950 की धारा 32 के तहत ईकोटेक ग्रेटर नोएडा थाने में एफ आई आर दर्ज कराई गई है। इसी प्रकार उप जिलाधिकारी दादरी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा 61-नोएडा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य में लापरवाही, उदासीनता के साथ साथ उच्च अधिकारियों के निर्देशों के अवहेलना करने वाले 11 बीएलओ व 06 सुपरवाइजर पर लोक प्रतिनिधित्व 1950 की धारा 32 के तहत थाना दादरी में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

टीबी मरीजों के लिए पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

गौतम बुद्ध नगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नरेंद्र कुमार के निर्देशों के क्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ आर पी सिंह ने बताया कि आज ईएसआई हॉस्पिटल, सेक्टर-22 नोएडा, जनपद गौतम बुद्ध नगर में रहम फाउंडेशन द्वारा टीबी मरीजों के लिए पोषण पोटली वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रहम फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ0 धीरज भार्गव उपस्थित रहे। साथ ही ईएसआई हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ0 संगीता माथुर, डॉ0 तनवीर करीम, डॉ0 सीमा कालरा, अंबुज पांडेय, रविन्द्र राठी, रजनी यादव और मंजुलता सहित कई चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कुल 25 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। जिला कार्यक्रम समन्वयक अंबुज पांडेय ने मरीजों को टीबी से बचाव, नियमित दवा सेवन और संपूर्ण उपचार अवधि का पालन करने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि टीबी का समय पर और लगातार इलाज ही मरीज को पूर्ण स्वस्थ करने की कुंजी है। रहम फाउंडेशन द्वारा संचालित यह पहल टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार लाने के साथ-साथ उन्हें उपचार जारी रखने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आपदा मित्र परियोजना : 12 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु स्वयंसेवकों के चयन की प्रक्रिया शुरू

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश के दिशा-निर्देशों के तहत आपदा मित्र परियोजना के अंतर्गत 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने प्रशिक्षण हेतु स्वयंसेवकों के चयन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। आपदा मित्र परियोजना को प्रदेश के अवशेष 48 जनपदों में लागू किया जा रहा है। इसमें गौतमबुद्धनगर चौथे चरण में शामिल है। उन्होंने बताया कि दादरी एवं जेवर तहसीलों के 75 स्वयंसेवकों को पूर्व में प्रशिक्षण के लिए भेजा जा चुका है। अब तहसील सदर के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण हेतु भेजा जाना है, जिसके तहत 34 आपदा मित्रों का चयन कर उन्हें लखनऊ प्रशिक्षण केंद्र भेजा जाएगा। 12 दिवसीय यह विशेष प्रशिक्षण 02 जनवरी 2026 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित होगा, जिसके लिए चयनित स्वयंसेवकों को 01 जनवरी 2026 तक लखनऊ पहुँचने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रेनो वेस्ट में सड़क की मरम्मत न होने से दिक्कत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में फ्यूजन होम्स से चेरी काउंटी के सामने वाली सड़क की हालत खराब होती जा रही है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे लोगों को परेशानी होती है। इसकी मरम्मत को लेकर कई बार प्राधिकरण से मांग की जा चुकी, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं की गई। सोसाइटी में रहने अंकित ने बताया कि सड़क की हालत खराब होती जा रही है। जगह-जगह गड्ढे हो रहे है, जिसके कारण लोगों के वाहनों को भी नुकसान पहुंचता है। साथ ही, सबसे अधिक खतरा दो पहिया वाहन चालकों को होता है। गड्ढे में वाहन का पहिया जाने के कारण उनका नियंत्रण खो जाता है, जिससे वह नीचे गिरकर चोटिल हो जाते हैं। इस तरह के कई घटनाएं सर्विस रोड पर हो चुकी हैं। वहीं, रोड के टूटे होने के कारण अधिक मात्रा में धूल उड़ती है, जिससे लोगों का अपने बालकनी में बैठना भी मुश्किल हो गया है। प्राधिकरण से सड़क की मरम्मत को लेकर मांग कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा अभी तक कोई सुनवाई नहीं की गई है, जिससे लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

विद्युत लाइनों को भूमिगत करने की मांग

नोएडा। सेक्टर-52 फोनरवा दफ्तर पर शनिवार दोपहर हो पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) रवीश गुप्ता ने बैठक की। फोनरवा और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ शहर की सप्लाई व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई और लोगों को सुझाव भी लिए गए। बैठक में फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि नोएडा एक विश्व स्तरीय शहर है, जहां बिजली के अधुनिकरण के लिए अभी विभाग को बहुत प्रयास करने की जरुरत है, जिससे कि शहर को विशेषकर बारिश, गर्मी और आंधी आदि के समय में पावर कट का सामना ना करना पडे। उसी को ध्यान में रखकर शहर की सप्लाई व्यवस्था पर कार्य किए जाए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी ने कहा कि विगत 15 नवम्बर से जिले में शासन द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था की व्यापक जानकारी के लिए सभी सेक्टर और सोसाइटी में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ विद्युत निगम के अधिकारियों की बैठकें की जाए। ताकि लोगों को नई व्यवस्था की पूरी जानकारी हो सके।

बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ाई

नोएडा। जिले में उपभोक्ता सर्दी के मौसम में भी बार-बार बिजली कटौती होने से परेशान है। लोकल फॉल्ट और केबल में कटने की वजह से कई-कई घंटे के लिए बिजली कटौती हो रही है। बिजली न होने से लोगों को पेयजल आपूर्ति के लिए भी परेशान होना पड़ रहा। विद्युत निगम द्वारा जिले में नो-पावर कट और नो-ट्रिपिंग जोन घोषित किया गया है। इसके साथ ही मेरठ से लेकर लखनऊ तक विद्युत निगम के अधिकारियों की नजर शहर की आपूर्ति व्यवस्था पर होती है। वहीं प्रदेश में सबसे ज्यादा राजस्व भी शहर से ही प्राप्त होता है। इसके बावजूद भी सर्दी के मौसम में लोगों को कटौती का सामना करना पड़ रहा है। गौड़ सिटी चौराहे पर निर्माण कार्य की वजह से विद्युत निगम की 33 हजार केवी की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इससे हैबतपुर और साई उपवन सोसाइटी में छह से सात घंटे तक आपूर्ति बाधित रही। वहीं, सेक्टर-99 में बिजली लाइन में फॉल्ट होने से लोगों को कटौती का सामना करना पड़ा।

फौजी समेत 3 दोस्तों की मौत

अमेठी में बुलेट ट्रक में टकराई, सड़क पर बिखरीं लाशें, पत्नी रो-रोकर बेसुध

उत्कर्ष सिंह — बजरंग बहादुर सिह — अंशु सिंह

अमेठी। अमेठी में ट्रक और बुलेट की टक्कर हो गई। हादसे में फौजी समेत तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों दोस्त की शादी से घर लौट रहे थे। बुलेट की स्पीड 100 के करीब थी। ट्रक सड़क पर खड़ा था। उन्होंने बचने के लिए बुलेट की ब्रेक मारी, लेकिन ट्रक से टक्कर हो गई।

युवक छिटककर सड़क पर करीब 10 फीट दूर गिरे। लाशें सड़क पर बिखर गईं। तीनों के सिर में गंभीर चोटें आईं। फौजी के पेट में बंपर घुस गया। दो की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ा। बुलेट सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था।

हादसा शुक्रवार रात 12 बजे पीपरपुर थाना क्षेत्र के थौरा गांव के पास हुआ। मृतकों की पहचान महाराजपुर निवासी फौजी उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (25) और अंशु सिंह (29) के रूप में हुई। फौजी की तैनाती कश्मीर में थी। वह 20 नवंबर की दोपहर ही कश्मीर से घर पहुंचा था। मौत की खबर सुनकर फौजी की पत्नी सोनम रो-रोकर बेसुध हो गईं। अंशु घर के इकलौते बेटे थे। ग्रामीणों के अनुसार, उत्कर्ष, बजरंग और अंशु शाम 7 बजे अपने दोस्त हीरालाल के शादी समारोह में पीपरपुर थाना क्षेत्र के हारीपुर गांव गए थे। रात 11 बजे खाना खाकर बुलेट से घर के लिए निकले थे। हम लोगों ने जाने से मना किया था, लेकिन वे नहीं माने।

रात 12 बजे अमेठी-सुल्तानपुर रोड पर थौरा गांव के पास बुलेट सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे के बाद राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। देखा तो उत्कर्ष और बजरंग की मौत हो चुकी थी, जबकि अंशु ने अस्पताल में दम तोड़ा।

पुलिस के मुताबिक, तीनों को सिर, पैर और मुंह में गंभीर चोट आई है। बुलेट चला रहे उत्कर्ष के पेट में ट्रक का बंपर घुस गया। उनके पैर भी कई जगहों से टूट गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। ट्रक का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर भाग गया। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर ड्राइवर की तलाश में जुट गई है।

आगरा में तेज रफ्तार डंपर ने छात्रा को कुचला, मौत

आगरा। आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र में नहर दक्षिणी बाइपास पर एक तेज रफ्तार डंपर ने एक छात्रा को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने डंपर को भी जब्त कर लिया है। मृतका की पहचान 22 वर्षीय कल्पना पुत्री महेश निवासी बिचपुरी, थाना जगदीशपुरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कल्पना मिर्जापुर गांव आई थी, तभी तेज गति से आ रहे डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। डंपर की टक्कर इतनी भीषण थी कि कल्पना की मौके पर ही जान चली गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर थाना मलपुरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर ने कई लोगों को अपनी चपेट में लिया था, जिसमें कल्पना की मौत हो गई। मृतक छात्रा के पिता महेश ने थाना मलपुरा में तहरीर देकर पुलिस कार्रवाई की मांग की है।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स। 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन साइबर अपराध से बचाव के लिए निम्न जानकारियाँ दी गई। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

कभी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक डिटेल, ओटीपी आदि मांगने पर कभी न दें। सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते। किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे फोरवर्ड व शेयर न करें। अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें। कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें।

गौशालाओं में व्यवस्थाओं के आंकलन हेतु डीएम ने लगाये 33 अफसर

▸ अफसरों की रिपोर्ट में अधिकांश गौशालाओं में ठंड के इंतजाम सहित अन्य व्यवस्थाएं मिली संतोषजनक

ललितपुर। ठण्ड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए जनपद की गौशालाओं एवं गौआश्रय स्थलों के सुचारु संचालन हेतु जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने 33 जिला व तहसील स्तरीय अधिकारियों को नामित कर जनपद की विभिन्न गौशाओं का औचक निरीक्षण कराकर व्यवस्थाओं का आंकलन किया। नामित अधिकारियों की प्राप्त निरीक्षण आख्या के अनुसार अधिकांश गौशालाओं में समुचित प्रबंधन एवं आवश्यक सुविधाएं संतोषजनक पायी गई, निरीक्षण के दौरान गौवंश हेतु शीतनिरोधक व्यवस्था, स्वच्छ चारा पानी की उपलब्धता, पर्याप्त भूसे का भण्डारण, स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, रैनशेड, नियमित साफ-सफाई तथा देखभाल की व्यवस्थाएं दुरुस्त पायी गईं।

कई स्थलों पर स्थानीय प्रशासन एवं ग्राम पंचायतों द्वारा अभी से सर्दी से बचाव हेतु अतिरिक्त प्रबंधन भी किये गए हैं, जिससे गौवंश को ठण्ड से बचाने के लिए उपर्युक्त वातावरण सुनिश्चित हो सके। वहीं कुछ गौशालाओं में साफ-सफाई संतोषजनक न पाये जाने एवं सर्दी से बचाव हेतु पर्याप्त इन्तजाम न होने पर सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी, सचिव व ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया कि वह गौशालाओं में समुचित व्यवस्थाओं को जल्द सुदृढ़ करें अन्यथा की स्थिति में सम्बंधितों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने निरीक्षण करने वाले सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शीतलहर की स्थिति में सभी गौशालाओं पर विशेष सतर्कता बरती जाए तथा स्थानीय प्रशासन व ग्राम पंचायत से समन्वय स्थापित कर आवश्यकतानुसार व्यवस्थाओं को और बेहतर किया जाए।

टॉफी का लालच देकर 5 साल की बच्ची से रेप

कासगंज। कासगंज में टॉफी का लालच देकर 5 साल की बच्ची के साथ 15 साल के किशोर ने रेप किया। बच्ची पड़ोस की दुकान पर कुछ खरीदने गई थी। लौटते वक्त एक युवक ने उसे बहला-फुसलाकर पास के खंडहर में ले गया और रेप किया। बच्ची की चीख-पुकार और रोने की आवाज सुनकर लोग दौड़े तो वह उसे छोड़कर फरार हो गया। बच्ची लहूलुहान हालत में पड़ी थी। उसे परिजन जिला अस्पताल लेकर गए। डॉक्टर्स ने बताया कि ब्लीडिंग होने की वजह से उसकी हालत थोड़ी नाजुक है। डॉक्टर्स ने उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया- आरोपी युवक को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर दूर कोतवाली नगर क्षेत्र की शुक्रवार की है। युवक अपनी रिश्तेदारी में आया था।

पूरनपुर चीनी मिल का निरीक्षण, गन्ना अधिकारियों ने ताजा एवं स्वच्छ गन्ना आपूर्ति की अपील

जनपद की तीन चीनी मिलें संचालित, अब तक 17.42 लाख कुंतल गन्ना खरीद

पीलीभीत। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने शनिवार को किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर के मिल गेट और यार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिल पहुंचे किसानों से ताजा, अगोला रहित और जड़-पत्ती से मुक्त गन्ने की आपूर्ति करने का अनुरोध किया, ताकि मिल में पेराई सुचारु रूप से चलती रहे।

जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि पूरनपुर चीनी मिल मौजूदा पेराई सत्र में सुचारु रूप से संचालित है। किसानों को पर्याप्त संख्या में एसएमएस पर्चियां उनके मोबाइल पर भेजी जा चुकी हैं। इस सत्र के लिए मिल गेट सहित कुल 14 गन्ना क्रय केंद्र आवंटित किए गए हैं, जो सभी केंद्र वर्तमान में संचालित हैं। सभी केंद्रों पर तौल का कार्य लाइसेंस प्राप्त तौल लिपिकों द्वारा कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के लिए मानक बाट और निरीक्षण पुस्तिका मिल गेट तथा सभी बाह्य क्रय केंद्रों पर उपलब्ध पाई गई। जनपद की पीलीभीत, बरखेड़ा और पूरनपुर चीनी मिलें वर्तमान में संचालन में हैं। अब तक 37,371 किसानों से प्रतिदिन लगभग 1.93 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति की जा रही है। कुल 17.42 लाख कुंतल गन्ना खरीद किया जा चुका है।अधिकारी ने बताया कि बीसलपुर चीनी मिल भी 24 नवंबर से पेराई शुरू कर देगी। सभी सचिवों और ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को फील्ड में लगातार भ्रमण कर स्थितियों की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।किसानों से अपील की गई कि तौल कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे समिति के सचिव या चीनी मिल अधिकारियों से सीधे संपर्क करें।निरीक्षण के समय त्रिवेणी पाल, प्रमुख प्रबंधक; अजय यादव, मुख्य गन्ना अधिकारी; तथा स्थानीय गन्ना किसान रतन लाल, खूब लाल, अवनीश कुमार, वेद प्रकाश मिश्रा सहित कई किसान मौजूद रहे।

आग से गरीब परिवार का मकान हुआ राख

विधायक प्रवक्तानंद पहुंचे मौके पर, अधिकारियों को दिए निर्देश

पीलीभीत। आज शनिवार को बरखेड़ा विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने ग्राम पंचायत सेखापुर भैंसाई में आग लगने की घटना के बाद मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार की स्थिति का जायजा लिया। क्षेत्रवासियों से मिली सूचना के बाद वे तत्काल गांव पहुंचे, जहां आग से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के मकान में भारी नुकसान हुआ था।विधायक ने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके से ही एसडीएम बीसलपुर से वार्ता कर पीड़ित परिवार को शासन से उचित मुआवजा दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही सरकार की आपदा राहत प्रावधानों के तहत पीड़ित परिवार को आवास योजना में प्राथमिकता देते हुए लाभ उपलब्ध कराने की बात भी उठाई।

घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद विधायक ने ग्रामवासियों के साथ बैठक की। उन्होंने मतदाता गहन पुनरीक्षण (स्‌क्र) अभियान के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी और उन्हें इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में एक-दूसरे की सहायता करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीणों ने आग की घटना से हुए नुकसान की जानकारी साझा की और शीघ्र राहत उपलब्ध कराने की मांग की। विधायक ने आश्वस्त किया कि प्रशासनिक स्तर पर हर जरूरी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

45 लाख की लूट की साजिश नाकाम

सहारनपुर। सहारनपुर पुलिस ने 45 लाख रुपये की लूट की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। बड़गांव पुलिस और एसओजी टीम ने एक मुठभेड़ के बाद कुख्यात अपराधी शहजाद को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, गैंगस्टर और गौवध सहित 11 गंभीर मामले दर्ज हैं। शनिवार शाम एसएसपी आशीष तिवारी ने प्रेसवार्ता में बताया कि 19 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि शहजाद अपने साथी फरमान और अन्य सहयोगियों के साथ 45 लाख रुपए लूटने की योजना बना रहा है। यह रकम पंजाब से पशु खरीदकर डासना फैक्ट्री में बेचने के बाद व्यापारियों को मिली थी, जिसे लेकर वे पंजाब लौट रहे थे। शहजाद इस रूट पर लंबे समय से सक्रिय था और लूट की फिराक में था। सूचना के आधार पर सहारनपुर और बागपत पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। थाना बड़गांव क्षेत्र के खुदाबक्शपुर पुलिया, सिसौनी मार्ग पर बैरियर लगाकर आरोपियों को रोकने का प्रयास किया गया। खुद को घिरा देख अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में शहजाद के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके साथी फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा, कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत

कुत्ते को बचाते समय बाइक फिसली, हेलमेट फटा; भांजे की शादी में जा रहा था

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर इलाके में एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक अपने भांजे की शादी में शामिल होने जा रहा था, तभी उसकी बाइक एक कुत्ते को बचाने के प्रयास में बेकाबू होकर गिर गई।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

मृतक की पहचान विनोद कुमार (30) पुत्र सिद्धनाथ निवासी सराय लीला उर्फ खोजापुर, थाना फूलपुर के रूप में हुई है।

यह घटना शुक्रवार रात प्रतापपुर वारी रोड पर हुई, जब विनोद जघई स्थित अपने भांजे के शादी समारोह में जा रहा था। एक कुत्ता अचानक उसकी बाइक के सामने आ गया, जिसे बचाने की कोशिश में विनोद बाइक से गिर गया।

रिश्तेदार अनिल कुमार ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर विनोद का हेलमेट दो टुकड़ों में मिला। उसे सिर में गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस की सूचना पर विनोद को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी फूलपुर ने बताया कि परिवार की तहरीर के आधार पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही की जा रही है।

परिवार ने विनोद की मौत पर किसी तरह की कोई आशंका जाहिर नहीं की है।

विनोद की मौत से उसके परिवार, जिसमें उसकी मां, पत्नी और बच्चे शामिल हैं।

मथुरा में ट्रक ने स्कूटी को मारी टक्कर

मथुरा। मथुरा के थाना रिफाइनरी क्षेत्र में देर रात एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय सोनम उर्फ सोनू की मौके पर मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। अर्जुनपुरा निवासी सोनम अपने मालिक के साथ डुप्लीकेट चांदी (गिल्ट) लेकर आगरा से मथुरा लौट रहा था। बाद रेलवे पुल के पास एक बेकाबू ट्रक ने उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सोनम ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के समय सोनम का मालिक आगे चल रहा था, जबकि सोनम पीछे स्कूटी से आ रहा था। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कर दिया है। सोनम स्कूटी पर लगभग 50 किलो डुप्लीकेट चांदी (गिल्ट) लेकर जा रहा था, जिसे पुलिस ने सुरक्षित रूप से उसके मालिक को सौंप दिया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मॉर्च्युरी भेजा गया। पोस्टमॉर्टम हाउस पर पहुंचे परिजनों ने सोनम की मौत को संदिग्ध बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

संभल में हत्यारोपी पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

पति की हत्या कर सुसाइड दिखाने की कोशिश, गला दबाकर फांसी पर लटकाया

संभल। संभल पुलिस ने प्रेम-प्रसंग में पति की हत्या के आरोप में पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पति की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसे फांसी पर लटका दिया था, ताकि मामला आत्महत्या लगे। यह घटना बहजोई थाना क्षेत्र के पंवासा गांव की है।

मृतक की पहचान 54 वर्षीय पूरन सिंह कठेरिया के रूप में हुई है। उसकी पत्नी विनोद देवी का गांव के ही राशन डीलर श्याम सिंह से कई वर्षों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इस संबंध की जानकारी पति, परिजनों और गांव के अधिकांश लोगों को थी।

पुलिस के अनुसार, 17 नवंबर को प्रेम-प्रसंग में बाधा बन रहे पूरन सिंह को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी विनोद देवी ने प्रेमी श्याम सिंह के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। विनोद देवी ने श्याम सिंह को घर बुलाया और दोनों ने मिलकर पूरन सिंह का गला घोंट दिया।

हत्या के बाद, किसी को शक न हो इसके लिए शव को कमरे में फांसी के फंदे से लटका दिया गया। परिजनों को जब पूरन सिंह का शव फांसी पर लटका मिला तो घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर बहजोई थाना पुलिस गांव पहुंची और शव को फंदे से उतारकर कब्जे में लिया। इस दौरान, आरोपी पत्नी विनोद देवी ने पोस्टमार्टम न कराने की मांग करते हुए खुद को कमरे में बंद कर आत्महत्या की धमकी दी। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे आत्मघाती कदम उठाने से रोक लिया।

20 नवंबर को मृतक के बेटे सुमित प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया की शिकायत पर पुलिस ने मां विनोद देवी और उसके प्रेमी श्याम सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। पूरन सिंह एक प्राइवेट बस कंडक्टर थे। घटना के दिन, 17 नवंबर को उनकी बहन बेटे की शादी का न्योता देने घर आई थी और उसके जाने के बाद ही वारदात को अंजाम दिया गया।

शनिवार को थाना प्रभारी संत कुमार ने बताया कि हत्या के मामले में उसकी पत्नी और प्रेमी राशन डीलर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को न्यायालय में पेशी के बाद जेल भेज दिया है। आपको बता दें कि प्रेमी-प्रेमिका के मकान आस-पास ही है।

शार्ट न्यूज

ई-रिक्शा में महिला की झुमकी चोरी

बीसलपुर। ई-रिक्शा में सफर कर रही एक महिला की झुमकी चोरी करने का मामला सामने आया है। शोर मचाने पर ई-रिक्शा की सवारियों ने एक महिला चोर को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि दूसरी महिला फरार हो गई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बरखेड़ा थाना क्षेत्र के भैसाह ग्वालपुर निवासी शांति देवी ई-रिक्शा से बीसलपुर की ओर आ रही थीं। जैसे ही रिक्शा ईदगाह चौराहे के पास पहुंचा, तभी जनपद शाहजहाँपुर के थाना पुवाया क्षेत्र के हरैया गांव निवासी मधु देवी पत्नी सचिन और उसकी एक साथी महिला ने मिलकर उनके कानों से झुमकी उतार ली।चोरी का अहसास होते ही महिला ने शोर मचाया, जिसके बाद सवारियों ने मधु देवी को पकड़ लिया, जबकि दूसरी महिला भागने में सफल रही। पीड़िता ने आरोपी महिला समेत झुमकी को पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दोनों महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी मधु देवी के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार महिला की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है।

सदर तहसील में डिजिटाइजेशन का औचक निरीक्षण

पीलीभीत। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सदर तहसील और नगर पंचायत न्यूरिया कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत उन्होंने डिजिटाइजेशन कार्यों की प्रगति का अफसरों से विस्तृत विवरण लिया और निर्धारित समय सीमा में सभी गणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत अपलोडिंग के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पंचायत न्यूरिया में कुल मतदाताओं और जमा किए गए फॉर्मों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और कोटेदारों को घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने और जमा कराने के निर्देश दिए। साथ ही नगर में कैम्प लगाकर लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने को कहा। इसके बाद अधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय पकड़िया नौगवा का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने बीएलओ से घर-घर फॉर्म वितरण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक गणना प्रपत्र पहुंचे ताकि कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर, उप जिलाधिकारी अमरिया, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद रहे।

नाबालिग से छेड़खानी के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

ललितपुर। बानपुर पुलिस ने छेड़खानी के आरोपी को दबोचा आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे जेल भेजने के लिए कोर्ट के समक्ष पेश किया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 319/2025 धारा 75(1) बीएनएस व 9(एम)10 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त 01. इन्द्रपाल पुत्र परमानन्द लोधी उम्र 37 वर्ष नि0ग्राम नैगुवां थाना बानपुर जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम थानाध्यक्ष उ.नि. अरुण कुमार तिवारी उ.नि. मनोज कुमार सिंह का. कनिष्क बघेल आदि शामिल रहे।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

ललितपुर। यातायात पुलिस द्वारा नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिस में आम लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख चौराहो पर बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ब्लैक फिल्म, फॉल्टी नंबर प्लेट, बिना नंबर प्लेट के विरुद्ध चलाया सघन चैकिंग। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देश के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निर्देशन में ,यातायात प्रभारी, ललितपुर आलोक कुमार तिवारी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से चौराहों/तिराहों पर जागरूकता अभियान चलाया व नियम विरुद्ध वाहन का संचालन करने वालों के खिलाफ प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए 89 वाहनों का चालान किया गया।

दीवानी अधिवक्ता मारपीट में तीन एफआईआर

आगरा। आगरा दीवानी में अधिवक्ताओं के बीच मारपीट के विवाद और भाकियू नेता पर हमले में नामजद अधिवक्ताओं ने भी थाना न्यू आगरा में क्रॉस एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, पुलिस की ओर से भी 20 नवंबर को हुए पथराव और मारपीट को लेकर एफआईआर दर्ज की है। वहीं, भाकियू के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने भी आंदोलन की चेतावनी दी है। आगरा दीवानी परिसर में 17 नवंबर से अधिवक्ताओं के दो गुटों में मारपीट चल रही है। गुरुवार सुबह वकीलों के गुटों में लगातार तीसरे दिन मारपीट हुई थी। इसके बाद न्यायालय प्रशासन की मौजूदगी में दीवानी में तैनात एसएसएफ और पुलिस के साथ वकीलों के चैंबरों की तलाशी ली गई। लाठी-डंडे और सरिया बरामद की गई थीं। दीवानी परिसर में पुलिस फोर्स मौजूद था। इसके बाद दोबारा बवाल हो गया। आरोप लगा कि अधिवक्ता ऋषि चौहान, विकास पचौरी व उनके साथियों ने भाकियू नेता पवन समाधिया पर जानलेवा हमला बोला। इसमें पवन समाधिया को चोटें आई। इस घटना के बाद दीवानी में पीएसी तक आ गई। पवन समाधिया की ओर से अधिवक्ता ऋषि चौहान, विकास पचौरी व अन्य के खिलाफ संगीन धाराओं में थाना न्यू आगरा में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

लखनऊ में तीन गैंगस्टर की संपत्ति कुर्क

लखनऊ। लखनऊ पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपराध से कमाई गई 1.55 करोड़ की प्रापर्टी और फॉर्च्यूनर गाड़ी कुर्क की। इन अपराधियों ने गैंग बनाकर लोगों से आर्थिक लाभ लिया था। जिससे मिले रुपयों लाखों की संपत्ति तैयार की गई थी। जानकी विहार कालोनी जानकीपुरम निवासी शिवेन्द्र सिंह चौहान (40) पुत्र इशेन्द्र सिंह चौहान के खिलाफ मड़ियांव थाने समेत अन्य थानों में कई मुकदमें दर्ज हैं। शिवेंद्र गैंग का लीडर है, जिसके खिलाफ 2023 से लेकर अब तक कुल 10 आपराधिक मुकदमें थाना अलीगंज व बीकेटी लखनऊ में दर्ज हैं। गैंग लीडर शिवेन्द्र सिंह चौहान साल 2023 में अपराध जगत में आया और अन्य सदस्यों को साथ में लेकर एक संगठित गिरोह बनाकर आर्थिक, भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिए अपराध करना शुरू कर दिया। इस तरह अपराध से मिले रुपयों से संपत्ति तैयार की थी। जिसकी कीमत करीब 57 लाख 41 हजार 615 है। इन संपत्ति को बनाने के लिए अपराध के अलावा अन्य कोई अन्य वैध सोर्स नहीं है। राधापुरम् कालोनी कंचनपुर मटियारी निवासी कुलदीप सिंह पुत्र सर्वेश सिंह की अपराध से कमाई गई संपत्ति शुक्रवार को कुर्क की गई।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप, बंगाल में भी तेज झटके ; नरसिंगडी में रहा केंद्र

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद पश्चिम बंगाल में भी तेज झटके महसूस किए जाने की खबर है। अमेरिकी एजेंसी- यूएसजीएस ने बताया है कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नरसिंगडी के पास रहा। फिलहाल, किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। इस संबंध में सूचनाएं लगातार अपडेट हो रही हैं। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप के झटके शुक्रवार सुबह 10.08 बजे महसूस किए गए। भूकंप से जुड़ी एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में भूकंप आया। डेली स्टार की इस खबर के अनुसार, बांग्लादेश ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति और भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद हुमायूं अख्तर ने बताया कि बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में आए भूकंप के झटके बहुत तेज थे। प्रोफेसर अख्तर के मुताबिक हाल के दिनों में, बांग्लादेश में इतनी तीव्रता का झटका महसूस नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया कि सीमा पर बसे कोलकाता और आसपास के इलाकों के निवासियों ने भी भूकंप के हल्के झटके महसूस करने की बात कही। लोगों ने बताया कि भूकंप के दौरान पंखे और दीवार पर लटकने वाली चीजें हिलती दिखीं। हालांकि, पश्चिम बंगाल से भूकंप में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

अमेरिका के अलास्का में अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा

अलास्का , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में स्थित उटकियाग्विक शहर में इस साल का आखिरी सूर्यास्त 18 नवंबर को दर्ज किया गया। अब यहां अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा। यह टाइम पीरीयड पोलर नाइट कहलाती है। यह शहर उत्तरी अमेरिका का सबसे उत्तरी कस्बा है और आर्कटिक सर्कल से करीब 483 किलोमीटर आगे है। यहां करीब 4,600 लोग रहते हैं। सर्दियों में पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूरज से दूर झुक जाता है, इसलिए दिसंबर के आसपास यहां कई हफ्तों तक सूरज ऊपर नहीं उठता। थोड़ी रोशनी सिर्फ दोपहर में दक्षिण दिशा में हल्की लालिमा (ट्वाइलाइट) और कभी-कभी आकाश में नॉर्दर्न लाइट्स से मिलती है। अगला सूर्योदय यहां 22 जनवरी 2026 को होगा। यहां तापमान अक्सर माइनस 30-40 डिग्री फॉरेनहाइट तक चला जाता है। गर्मियों में उल्टा होता है। मई के मध्य से अगस्त के शुरू तक यहां सूरज बिल्कुल नहीं डूबता, यानी 24 घंटे दिन रहता है।

मेहुल प्रत्यर्पण मामले की बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट में 9 को सुनवाई

ब्रसेल्स, एजेंसी। भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को चुनौती देने वाला मामला बेल्जियम की सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसैशन में 9 दिसंबर को सुना जाएगा। चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में 17 अक्तूबर के एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत की ओर से प्रत्यर्पण की मांग को वैध और लागू करने योग्य माना गया था। कोर्ट ऑफ कैसैशन केवल कानूनी पहलुओं की समीक्षा करती है और नए सबूत या तथ्य पेश नहीं किए जा सकते। एजेंएडवोकेट जनरल हेनरी वांडरलिंडेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुनवाई लिखित रूप में होगी। यदि अदालत अपील स्वीकार नहीं करती है तो यह केवल कानूनी कारणों से होगा। बता दें कि 17 अक्तूबर को एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील की चार सदस्यीय पीठ ने मुंबई विशेष न्यायालय की ओर से मई 2018 और जून 2021 में जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू होने योग्य करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर उचित न्याय और मानवाधिकारों का उल्लंघन होने का खतरा नहीं है। चोकसी पर पीएनबी घोटाले में 13,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप है, जिसमें सीबीआई के अनुसार अकेले चोकसी ने 6,400 करोड़ रुपये का गबन किया। जनवरी 2018 में घोटाले के सामने आने से पहले वह एंटिगुआ और बारबुडा भाग गया था और बाद में बेल्जियम में देखा गया।

आईएईए ने ईरान से मांगी यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) ने ईरान से हथियार-स्तर के करीब संवर्धित यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी मांगी है। आईएईए ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह निरीक्षकों को अपने परमाणु स्थलों तक पूर्ण व त्वरित पहुंच भी प्रदान करे। वियना में आईएईए के महानिदेश राफेल ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि एजेंसी को ईरान के निम्न और उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार की तत्काल जांच करने की आवश्यकता है, जिसे निरीक्षक पिछले पांच महीने में नहीं कर पाए हैं।

ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन स्थल पर लगी आग, 21 घायल, बाहर निकाले गए हजारों लोग

बेलेम, एजेंसी। ब्राजील के बीलेम में चल रहे सीओपी30 क्लाइमेट समिट के मुख्य स्थल 'ब्लू जोन' में गुरुवार दोपहर आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। इस आग की वजह से कम से कम 21 लोग घायल हो गए। वहीं आग लगते ही हजारों प्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और कर्मचारी सुरक्षा के लिए बाहर की ओर दौड़ पड़े, वहीं मौके पर मौजूद हजारों लोगों को तेजी से बाहर निकाला गया और इस वार्ता को रोकनी पड़ी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग की संभावना इलेक्ट्रिकल उपकरण, संभवतः माइक्रोवेव से लगी। अब ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या जलवायु सुरक्षा पर ध्यान देने वाले सम्मेलन में भी सुरक्षा नियमों का पालन नहीं होता? स्थानीय समयानुसार आग दोपहर 2 बजे लगी और सुरक्षा फुटेज में देखा गया कि आग ने पवेलियन की दीवार और छत के अंदर लगे फैब्रिक को जलाया। धुंआ उठता देख लोग चिल्लाते हुए बाहर निकले। दूसरी ओर पूरी तरह से तैयार फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर सिर्फ छह मिनट में काबू में कर लिया। बताया जा रहा है कि घायल लोगों में 19 लोग धुएं के कारण घायल हुए, वहीं दो लोग घबराहट के चलते।

यह घटना समिट के शुरू होने के बाद तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले स्थानीय आदिवासी प्रदर्शनकारियों ने स्थल पर प्रदर्शन किया और प्रवेश मार्ग को ब्लॉक किया था। आयोजक ब्राजील और यूएनएफसीसीसी ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सुरक्षा उपाय किए और आग को नियंत्रित किया।

यूएन महासचिव ने क्या कहा : वहीं इस हादसे को लेकर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया देख रही है और सभी को महत्वपूर्ण समझौते पर पहुंचने की अपील की। समिट के आखिरी दिन से 24 घंटे से भी कम समय बचा है और लगभग 200 देशों के प्रतिनिधि अभी भी सहमति बनाने की कोशिश में हैं। ब्राजील ने इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई को तेज करने और पुराने वादों को वास्तविक परिणाम में बदलने के लिए बहुत जरूरी बताया।

फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीम अलर्ट पर : स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भेजी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए हैं और फिलहाल आग के कारणों की जांच की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सचिवालय ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए सभी लोगों को स्थल खाली करने का निर्देश दिया। संदेश में कहा गया ध्यान दें: जोन बी में आग की घटना हुई है। कृपया तुरंत स्थल खाली करें। आग की जानकारी जल्द दी जाएगी। एक यूएन सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन सुरक्षा जांच के कारण अभी किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थिति का पूरा आकलन किया जा रहा है और सभी 13 घायलों को मौके पर ही धुएं से प्रभावित होने पर इलाज दिया गया और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। इस सम्मेलन में 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सीओपी30 जलवायु सम्मेलन अमेजन क्षेत्र के बेलेम शहर में 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

कई किलोमीटर दूर से दिखा धुएं का गुबार : आग लगते ही हजारों लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। घटनास्थल से आए वीडियो और तस्वीरों में लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे। वहीं, पवेलियन से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। मौके पर कई एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और तुरंत कार्रवाई कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

छह मिनट में आग पर काबू पाया गया : कार्यक्रम के आयोजक यूएन सीओपी30 प्रेसीडेंसी और यूएनएफसीसीसी ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि लगभग छह मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के वार्षिक सीओपी30 क्लाइमेट समिट 10 से 21 नवंबर तक होने वाला है। इसमें 190 से ज्यादा देशों के हजारों लोग भाग लेने पहुंचे हैं। आयोजकों ने अपने बयान में मेहमानों से कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के लिए अगली सूचना तक इंतजार करने कहा गया है। आग लगने से कई अहम बैठकें टली आग की वजह से कई अहम बैठकें रद्द या टल गई। अब सम्मेलन का समय शुक्रवार शाम तक खत्म होने की बजाय देर रात या शनिवार तक खिंच सकता है। फिलहाल स्थल को पूरी तरह जांचने के बाद ही प्रतिनिधियों को दोबारा प्रवेश दिया जाएगा।

7 किलोमीटर लंबी सुरंग और अंदर 80 कमरे, हमास के अड्डे पर इजरायली सेना ने बोला धावा

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा पट्टी में हमास की एक बड़ी सुरंग का पता लगाया है, जहां हाल ही में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का शव रखा गया था। गोल्डिन 2014 के इजरायल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में घात लगाकर हमले में मारे गए थे। इस महीने की शुरुआत में इजरायल को उनके अवशेष मिले थे। एक्स पर एक पोस्ट में ढ्ढष्ठस्न ने उस सुरंग का वीडियो साझा किया जहां गोल्डिन का शव रखा गया था। आईडीएफ ने कहा कि यह सुरंग रफाह के घनी आबादी वाले इलाके के नीचे से गुजरती है। संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के कंपाउंड, मस्जिदों, क्लीनिकों और किंडरगार्टन स्कूलों से होकर जाती है। यह सुरंग हमास कमांडरों की ओर से हथियार रखने, हमले की योजना बनाने और लंबे समय तक ठहरने के लिए इस्तेमाल की जाती थी। आईडीएफ के अनुसार, सुरंग 7 किलोमीटर से अधिक लंबी, 25 मीटर गहरी है और इसमें 80 कमरे हैं। इसे एलीट याहलोम कॉम्बैट इंजीनियरिंग यूनिट और शायेटेट 13 नेवल कमांडो यूनिट ने खोजा। सैन्य बलों को सीनियर हमास कमांडरों के कमांड पोस्ट के रूप में इस्तेमाल होने वाले कमरे मिले, जिनमें मुहम्मद शबाना भी शामिल है, जिसे मई में हमास नेता मोहम्मद सिनवार के साथ मार गिराया गया था। आईडीएफ ने कहा कि उसने मारवान अल-हम्स को गिरफ्तार किया है, जो लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन की मौत की घोषणा करने में शामिल हमास आतंकवादी है। अल-हम्स पर रफाह में व्हाइट-क्राउन्ड सुरंग में गोल्डिन के दफन स्थान की जानकारी होने का भी शक है।

गाजा पट्टी में इजरायल के हवाई हमले जारी : इजरायली सेना के मुताबिक, जुलाई 2025 का ऑपरेशन पिछले 6 महीनों में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन को वापस लाने और इजरायल में दफनाने के लिए किए गए दर्जनों गोपनीय ऑपरेशनों का हिस्सा था। इस बीच, गुरुवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इजरायली हवाई हमलों में 5 लोग मारे गए और 18 घायल हो गए। खान यूनिस के पूर्व में बनी सुहैला शहर में एक घर पर हमले में 3 लोग मारे गए, जिनमें एक नवजात शिशु भी शामिल है और 15 घायल हुए। पास के अबासन शहर में एक अन्य हमले में एक व्यक्ति मारा गया और तीन घायल हुए। ये हवाई हमले ऐसे समय हुए जब हमास और इजरायल एक-दूसरे पर लगभग छह सप्ताह पुराने नाजुक युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं।

अमेरिका -सऊदी एफ-35 डील के बीच इजरायल ने जताया भरोसा

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर रहा है। इस पर इजरायल ने प्रतिक्रिया दी है। इजरायल का कहना है कि उसे भरोसा है कि वाशिंगटन उसे आगे भी आधुनिक अमेरिकी हथियारों तक विशेष पहुंच देता रहेगा। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल अभी मिडिल ईस्ट का अकेला ऐसा देश है जो एडवांस्ड स्टेल्थ एयरक्राफ्ट चला रहा है। अमेरिकी कानून के अनुसार, क्षेत्र में किसी भी देश को ऐसे हथियार तभी दिए जा सकते हैं जब इससे इजरायल की सैन्य बढ़त कम न हो। प्रवक्ता शोश बेड्रोसियन ने कहा, 'अमेरिका और इजरायल के बीच लंबे समय से यह समझ बनी हुई है कि रक्षा के मामले में इजरायल की गुणवत्ता-आधारित बढ़त बनी रहे। यह कल भी सच था, आज भी सच है और प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू) का मानना ??है कि यह कल और भविष्य में भी सच होगा। ' यह टिप्पणी इजरायली सरकार की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठक के दौरान डील की घोषणा की थी। प्रस्तावित सौदे में 48 एफ-35 विमान शामिल हैं। इससे पहले, पिछले अमेरिकी प्रशासन ऐसे सौदों पर झिझकते रहे थे, लेकिन अब यह एक बड़ा बदलाव है। सऊदी अरब के साथ इस डील से ये तस्वीर बदलने वाली है। वहीं इसे लेकर जब ट्रंप से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इजरायल को इस डील के बारे में पहले से जानकारी है। सऊदी अरब और इजरायल दोनों ही अमेरिका के अच्छे दोस्त हैं। इजराइल और सउदी अरब के बीच अभी औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। वाशिंगटन यात्रा के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस ने कहा कि उनका देश इजरायल से संबंध सामान्य करना चाहता है, लेकिन इसके लिए उन्हें दो-राष्ट्र समाधान की स्पष्ट राह चाहिए, जिसमें फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता शामिल हो।

ईरान की तेल तस्करी पर अमेरिकी कार्रवाई, भारत की दो कंपनियां भी नए प्रतिबंधों की सूची में

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की तेल तस्करी और गुप्त व्यापार नेटवर्क को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों में भारत की एक शिपिंग कंपनी और एक पेट्रोलियम ट्रेडर समेत कई देशों की 17 कंपनियां, व्यक्ति और जहाज शामिल हैं। मामले में अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ये कदम इसलिए उठाए गए हैं ताकि उस पैसों के प्रवाह को रोका जा सके जिससे ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम, सेना और आतंकवादी समूहों को समर्थन देता है। बता दें कि भारत की पेट्रोलियम ट्रेडर कंपनी टीआर6 पीईटीआरओ पर आरोप है कि उसने अक्तूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरान से आठ मिलियन डॉलर से अधिक का बिटुमेन खरीदा। अमेरिका के अनुसार यह ईरानी तेल की खरीद की श्रेणी में आता है, जो प्रतिबंधों का उल्लंघन है। इसलिए कंपनी को कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में डाल दिया गया।

भारतीय शिपिंग कंपनी आरएन शिप प्रबंधन पर भी कार्रवाई : दूसरी तरफ अमेरिकी द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की श्रेणी में मुंबई स्थित आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। इस कंपनी पर आरोप है कि उसने ऐसे जहाज चलाए जो ईरानी कच्चा तेल दूसरी कंपनियों के लिए गुप्त रूप से ले जाते थे। कंपनी से जुड़े दो भारतीय नागरिक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैयद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैयद को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कंपनी उन कई देशों के नेटवर्क का हिस्सा मानी जा रही है, जिनमें यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया शामिल हैं, जो ईरान के लिए चोरी-छिपे तेल परिवहन में मदद करते हैं।

ईरान की एयरलाइन पर भी कार्रवाई : इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान की निजी एयरलाइन माहान एयर और उसकी सहायक कंपनी यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर प्रतिबंध बढ़ाए हैं। दावा है कि एयरलाइन ईरान की आईआरजीसी-कोड्स फोर्स के साथ मिलकर सीरिया और लेबनान में हथियार और लड़ाके पहुंचाती है। माहान एयर के कई विमानों को ब्लॉक्ड प्रॉपर्टी घोषित कर दिया गया है।

अमेरिका का दावा और प्रतिबंधों का प्रभाव, समझिए अमेरिका के मुताबिक, ईरान हाल ही में इस्राइल के साथ 12-दिवसीय युद्ध में हार के बाद अपनी सेना को फिर से खड़ा करने के लिए तेल के इस गुप्त कारोबार पर निर्भर है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की आय रोकना उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए जरूरी है। अब बात अगर इन प्रतिबंधों से पड़ने वाले प्रभावों की करें तो इन कंपनियों और व्यक्तियों की संपत्ति अमेरिका में फ्रीज कर दी गई है।

ऐसे में अमेरिकी नागरिक और कंपनियां इनके साथ कोई भी व्यापार नहीं कर सकेंगे। साथ ही प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर कड़े जुर्माने या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। मामले में अमेरिका का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि ईरान को अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए मजबूर करना है।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के बयान पर अमेरिका का सख्त रुख, व्हाइट हाउस बोला- दावा पूरी तरह झूठा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का अमेरिका द्वारा बहिष्कार किए जाने पर व्हाइट हाउस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि अमेरिका आधिकारिक बातचीत का हिस्सा नहीं है और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए जा रहे दावे पूरी तरह गलत हैं।

लेविट ने कहा अमेरिका दक्षिण अफ्रीका में जी20 की आधिकारिक वार्ताओं में भाग नहीं ले रहा है। आज मैंने देखा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ बयान दे रहे थे, जिसे राष्ट्रपति और उनकी टीम बिल्कुल पसंद नहीं करती। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में मौजूद अमेरिकी राजदूत का उद्देश्य केवल अगले जी20 मेजबान देश के रूप में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करना है। लेविट ने कहा वे सिर्फ कार्यक्रम के अंत में होने वाले औपचारिक 'सेन्ड-ऑफ' में शामिल हैं, न कि किसी भी आधिकारिक बातचीत में, जैसा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति गलत तरीके से दावा कर रहे हैं। ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की बैठक पर भी प्रतिक्रिया व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की होने वाली मुलाकात पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि मेयर-इलेक्ट कल व्हाइट हाउस आएंगे। हमारी टीमें बैठक की तैयारियां कर रही हैं। लेविट ने टिप्पणी करते हुए कहा यह बहुत कुछ दर्शाता है कि कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट आने वाला है क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने देश के सबसे बड़े शहर के लिए उन्हें चुना है। लेकिन यह भी दिखाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और बातचीत करने के लिए तैयार हैं, चाहे वे किसी भी राजनीतिक विचारधारा से हों। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अमेरिकी लोगों के हित में काम करना चाहते हैं, चाहे वे रेड स्टेट में रहते हों, ब्लू स्टेट में या ऐसे शहरों में जो अब पहले से ज्यादा वामपंथी होते जा रहे हैं। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के संबंध गौरतलब है कि अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच तनातनी को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप के कदम से दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण व्यापारिक रिश्ते और खराब हो सकते हैं। ट्रंप पहले ही दक्षिण अफ्रीकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा चुके हैं और कुछ गोरे किसानों को राजनीतिक शरण देने की पेशकश कर चुके हैं। ऐसे में अब आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका के साथ जुड़े कुछ देश भी ट्रंप के समर्थन में सम्मेलन से हट सकते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन इस सप्ताहांत जोहानसबर्ग में होना है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष नेता शामिल होंगे।

नेपाल : दिशाहीन सरकार होने का आरोप, जेन-जी ने की कार्की को हटाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। जेन-जी आंदोलन की अपेक्षाओं को पूरा न कर पाने का आरोप लगाते हुए 23 समूहों ने पीएम सुशीला कार्की सरकार हटाने की मांग की है। समूहों ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि कार्की सरकार 8-9 सितंबर के विद्रोह से मिले जनादेश के अनुसार काम करने में नाकाम रही है। ज्ञापन के अनुसार, मौजूदा सरकार की ओर से पांच मुख्य मागों में से किसी को भी पूरा न किया जाना अस्वीकार्य है। इन मागों में बड़े भ्रष्टाचार प्रकरणों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई, प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रधानमंत्री के लिए संविधान संशोधन, विद्रोह के दौरान हुए नरसंहार के जिम्मेदारों पर कार्रवाई, घायलों का उपचार और शहीद परिवारों को क्षतिपूर्ति व भरण-पोषण शामिल हैं। उसने कहा, विद्रोह की नींव पर बनी सरकार ने विद्रोहियों की न्यूनतम अपेक्षाएं भी पूरा नहीं कीं।

बारा में फिर बढ़ा तनाव, कर्फ्यू, 10 घायल : नेपाल के बारा जिले में बृहस्पतिवार उस समय फिर से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जेड के युवाओं से अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों संग हुई झड़प में 10 घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में हालात काबू करने को फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा। प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और उन पर पथराव किया। छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। जेन-जेड के चार प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। एक अलग घटना में, जेन जेड ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी को फूंक दिया। नेपाल के मधेश प्रदेश के सभामुख रामचन्द्र मंडल पद से हटाए गए हैं। बुधवार को हुई प्रदेश सभा की बैठक में उनके खिलाफ पद के अनुरूप आचरण न करने संबंधी प्रस्ताव दो तिहाई मतों से पारित हुआ। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) से प्रदेश सभा (प्रोविंशियल असेंबली) के स्पीकर बने मंडल को मुख्यमंत्री की नियुक्ति पर हुए सियासी विवाद के बाद प्रोविंशियल असेंबली के समीकरण बदलने के बाद पद से हटा दिया गया है।

एपस्टीन फाइल्सः 'स्टार रिपोर्ट तो 48 घंटे में ही..,' लेविंस्की ने दस्तावेज जारी करने में देरी पर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कार्यकर्ता और लेखिका मोनिका लेविंस्की ने एपस्टीन फाइल्स को जारी करने में लगने वाले समय पर नाराजगी जाहिर की। लेविंस्की ने कहा कि सरकार इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने में काफी देर कर रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें न्याय विभाग को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने का आदेश दिया गया है। इस कानून के तहत अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को तीस दिनों के भीतर ये दस्तावेज जारी करने होंगे। प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में यह विधेयक उस समय पारित हुआ, जब एपस्टीन की बातचीत से जुड़े ईमेल सामने आए। इन ईमेल में 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' नाम का जिक्र किया गया था। इसके बाद यह इंटरनेट 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' वायरल होने लगा। लोग समझ बैठ के कि बुब्बा से बिल क्लिंटन का इशारा है, क्योंकि उनका यही उपनाम रहा है। बाद में एपस्टीन के भाई मार्क ने स्पष्ट किया कि बुब्बा किसी निजी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया गया था, न कि क्लिंटन के लिए। लेकिन तब तक इंटरनेट पर यह विवाद काफी बढ़ चुका था। इस बीच, सोशल मीडिया में लोगों ने नया शब्द 'डोनिका लेविंस्की' गढ़ दिया, ताकि ट्रंप और लेविंस्की की पुरानी कहानी के बीच तुलना की जा सके। दूसरी ओर, ट्रंप ने न्याय विभाग और एफबीआई को निर्देश दिया कि वे एपस्टीन के क्लिंटन और अन्य लोगों से संबंधों की जांच करें और एजेंसियों ने इसें मंजूर भी कर लिया। इस घटनाक्रम के बीच लेविंस्की ने एपस्टीन के दस्तावेजों को सार्वजिक करने में देरी को लेकर ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें लिखा था- न्याय विभाग तीस दिनों के भीतर एपस्टीन फाइल्स जारी करेगी, बॉन्डी का बयान।' उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में एक संवाद बॉक्स

(टेक्स्ट बबल) लगाया, जिसमें लिखा- 'अजीब है कि जब कांग्रेस ने स्टार रिपोर्ट जारी करने के लिए वोट किया था, वह 48 घंटों के अंदर ही ऑनलाइन आ गई थी... शायद उससे भी जल्दी।' यह तस्वीर पहले लेविंस्की ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर डाली, बाद में इसे एक्स पर भी साझा किया गया। स्टार रिपोर्ट वह सरकारी दस्तावेज था, जिसे स्वतंत्र वकील केन स्टार ने तैयार किया था। इसमें उन्होंने क्लिंटन की जांच की थी और कहा था कि क्लिंटन ने जनवरी 1998 में शपथपत्र में झूठी जानकारी दी थी। उस समय क्लिंटन यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में प्रतिवादी के तौर पर पेश हो रहे थे। मोनिका लेविंस्की कौन हैं? लेविंस्की व्हाइट हाउस में इंटर्न रही हैं। 1990 के दशक के अंत में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ अपने संबंधों के कारण वह दुनियाभर में सुर्खियों में आई थीं। उनका और क्लिंटन का यह संबंध 'क्लिंटन-लेविंस्की स्कैंडल' के रूप में प्रसिद्ध हुआ। इसकी वजह क्लिंटन पर झूठ बोलने और न्याय में बाधा डालने के आरोप लगे और उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी चली। पहले बिल क्लिंटन ने मोनिका के साथ किसी तरह के संबंधों से इनकार किया था और बयान दिया था- मेरे उस महिला के साथ कोई यौन संबंध नहीं हैं। लेकिन बाद में सूबत सामने आने के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उनके और मोनिका के बीच अनुचित शारीरित संबंध थे। यह स्वीकारोक्ति 1998 में आई थी, जब जांच और गवाही में तथ्यों की वजह से वह दबाव में आ गए थे। तब उन्होंने कहा था, मैंने ऐसा व्यवहार किया था जो गलत था..उन मुलाकातों में अनुचित अंतरंग संपर्क शामिल था। इसके बाद ही उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही हुई थी।

मोनिका ने जांच के दौरान अपनी गवाही में कहा था कि उनका और बिल क्लिंटन का संबंध था। उन्होंने अपनी डायरियों, पत्रों और बातचीत के सबूत भी जांच एजेंसियों को दिए थे, जिसने क्लिंटन को सच स्वीकार करने को मजबूत किया था। आज मोनिका एक टेलीविजन व्यक्तित्व, कार्यकर्ता और लेखिका हैं।

पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया।

दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

सिडनी (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला चुन यी लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

– जायसवाल को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए, विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीको बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज़ दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज़ जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाज़ी लाइन-अप को उखेड़कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज़ 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाज़ी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरा दिन उनकी गेंदबाज़ी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज़ में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

महिला विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेह राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहैल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा । दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो । भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुँचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चानाकन बुआखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुँची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।' गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे ।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

गुवाहाटी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के बराबर मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फ़ोन पर वह रील या वीडियो देखती हूँ, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफ़ाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफ़ाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूँ, और मैं लोगों को बताती हूँ कि मैं एक विश्व चैंपियन हूँ।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक ÷बड़ा कदम÷ और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीज़न तक भारतीय खिलाड़ियों में काफ़ी सुधार हुआ है, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत ख़ास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूँ।'

इंडियन यूजर्स को झटका, एप्पल ने आईफोन 17 सीरीज पर बैंक कैशबैक ऑफर घटाया

नई दिल्ली।

एप्पल ने इंडियन यूजर्स को तगड़ा झटका दिया है। अगर आप आईफोन 17 सीरीज के किसी आईफोन को खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपको अब पहले वाला बैंक कैशबैक ऑफर नहीं मिलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज पर बैंक कैशबैक ऑफर में भारी कटौती कर रहा है। अब ऑफर 6 हजार रुपए से घटाकर सिर्फ एक हजार रुपए कर दिया है। इससे इंडियन बायर्स के लिए ये नए मॉडल और भी महंगे हो गए हैं। यह बदलाव ऐसे समय किया गया है जब आईफोन 17 का बेस मॉडल ग्लोबल सप्लाई की भारी कमी के कारण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स पर या तो काफी हद तक स्टॉक से बाहर हैं या स्टॉक लिमिटेड है। रिवाइज्ड कैशबैक स्ट्र• र 22 नवंबर से लागू हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जीरो-कॉस्ट ईएमआई प्लान में भी बदलाव किए जाएंगे। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि कैशबैक कम करने का एप्पल का फैसला सीधे तौर पर सप्लाई-चेन की मौजूदा बाधाओं से जुड़ा है, जिसने भारत समेत दुनिया भर में डिमांड और सप्लाई में असंतुलन पैदा कर दिया है। थैंक्सगिविंग सेल में अमेरिका और लूनर न्यू ईयर से पहले चीन जैसे प्रमुख बाजारों में फेस्टिव डिमांड बढ़ने के साथ एप्पल के इन क्षेत्रों में और ज्यादा इन्वेंट्री भेजने की उम्मीद है।

बता दें यही कारण है कि बेस आईफोन 17 खास तौर से 256जीबी और 512जीबी वाले वेरिएंट को ऑफलाइन रिटेल चैनल्स के साथ फ्लिपकार्ट और अमेजन पर भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले के जानकार ने कहा कि सप्लाई-चेन की समस्याओं के कारण ग्लोबल शॉर्टेज के बावजूद दिवाली सीजन के लिए एक्सट्रा सप्लाई थी। अब, उन अन्य बाजारों को प्राथमिकता दी जा रही है जहां त्योहारी मौसम शुरू हो रहा है। दिसंबर तक आपूर्ति की स्थिति स्थिर होने की उम्मीद है। एप्पल ने कैशबैक ऑफर के बारे में अभी कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि कंपनी की वेबसाइट पर लिखा है- एप्पल बिना किसी सूचना के किसी भी समय इन नियमों और शर्तों को बदलने, विस्तारित करने या इंस्टेंट कैशबैक ऑफर को खत्म करने का अधिकार रखता है।

टाटा पावर ने भूटान परियोजना में एसपीवी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

- कंपनी ने ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। टाटा पावर ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1,125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है।यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा। इससे इलाके की ऊर्जा सुरक्षा और साफ बिजली की उपलब्धता को काफी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना को विश्व बैंक का समर्थन है।इस रियायती समझौते पर थिम्पू में टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए।

इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट रही

- सोने में 1,648 रुपए और चांदी में 8,238 रुपए की कमी दर्ज की गई

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 15 नवंबर को 24 कैरेट सोना 1,24,794 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 22 नवंबर तक घटकर 1,23,146 रुपए पर आ गया। इस तरह हफ्तेभर में सोने में 1,648 रुपए की गिरावट हुई। वहीं चांदी में गिरावट और अधिक रही, 15 नवंबर को चांदी 1,59,367 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी, जो घटकर 1,51,129 रुपए रह गई। यानी चांदी में हफ्तेभर में 8,238 रुपए की कमी हुई। गौरतलब है कि अक्टूबर में सोना 1,30,874 रुपए और चांदी 1,78,100 रुपए के स्तर पर पहुंचकर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर थी। आईबीजेए के भाव में 3 फीसदी जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होते, इसलिए शहरों में सोने के भाव अलग हो सकते हैं। आरबीआई के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और कई बैंकों के गोल्ड लोन वैल्यूएशन इन रेट्स के आधार पर तय होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने और चांदी की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय कारकों के कारण उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। सोने की कीमतों में गिरावट के मुख्य कारण हैं» अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना, फेड की दिसंबर रेट-कट की उम्मीदों में कमी, अमेरिका की नॉन-फार्म पेरोल रिपोर्ट में देरी से बाजार में अनिश्चितता, जापान के कैरी-ट्रेड अनवाइंडिंग की चिंता, और अमेरिका की तकनीकी कंपनियों के मजबूत रिजल्ट के चलते निवेशकों का शेयर बाजार की ओर रुख। हालांकि, देश में शादी का पीक सीजन शुरू होने से घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। इससे उम्मीद है कि सोने की कीमतें जल्द ही 1.25 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब लौट सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुख रहा

- सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूती के बाद गिरावट दर्ज की गई

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुख प्रदर्शित किया। कंपनियों की दूसरी तिमाही की मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की लिवाली के चलते सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई, जबकि वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह के अंत में गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत में निवेशकों का उत्साह उच्च रहा। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 234.42 अंक की बढ़त के साथ 84,797.20 पर खुला और 388.17 अंक उछलकर 84,950.95 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी ने भी 56.10 अंक की बढ़त के साथ 25,966.15 पर खुलकर 103.40 अंक ऊपर होकर 26,013.45 पर बंद किया। विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियों की बेहतर आय प्रदर्शन ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के दबाव के कारण मंगलवार को सेंसेक्स 292.95 अंक गिरकर 84,658 पर और निफ्टी 83.3 अंक गिरकर 25,930.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 277.93 अंक की गिरावट के साथ 84,673.02 और निफ्टी 103.40 अंक गिरकर 25,910.05 पर बंद हुआ। रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स 513.45 अंक बढ़कर 85,186.47 और निफ्टी 142.60 अंक की बढ़त के साथ 26,052.65 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और निफ्टी 139.50 अंक ऊपर होकर 26,192.15 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों और मजबूत कंपनियों की ओर रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स 400.76 अंक गिरकर 85,231.92 और निफ्टी 124 अंक की गिरावट के साथ 25,068.15 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों के दबाव और मुनाफावसूली के चलते बाजार सप्ताह के अंत में कमजोर हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह भर भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव देखा। मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की खरीदारी ने मध्य सप्ताह तक बाजार को हरे निशान में रखा, जबकि वैश्विक दबाव और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह का अंत लाल निशान पर हुआ।

सेबी करने जा रहा है बाजार नियमों की बड़ी समीक्षा

- म्यूचुअल फंड ब्रोकरेज शुल्क में बदलाव पर होगा पुनर्विचार

नई दिल्ली । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ब्रोकरों और म्यूचुअल फंडों को नियंत्रित करने वाले पुराने नियमों में व्यापक बदलाव की तैयारी कर रहा है। 1990 के दशक में बने ये नियम वर्तमान बाजार संरचना के अनुरूप नहीं माने जा रहे, इसलिए सेबी 17 दिसंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में इन्हें अपडेट करने पर निर्णय ले सकता है। इस पहल के तहत सेबी का उद्देश्य बाजार ढांचे को अधिक पारदर्शी, गतिशील और निवेशक-अनुकूल बनाना है। सेबी म्यूचुअल फंडों द्वारा नकदी बाजार में दिए जाने वाले ब्रोकरेज शुल्क की सीमा में प्रस्तावित कटौती पर भी पुनर्विचार कर रहा है। नियामक पहले इस सीमा को 12 आधार अंक से घटाकर 2 आधार अंक करने की योजना बना रहा था। हालांकि, अब उसका मानना है कि इतनी बड़ी कटौती से स्वतंत्र इक्विटी अनुसंधान पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जो बाजार की दक्षता के लिए महत्वपूर्ण है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, शुरुआत में लगा था कि लागत कम होने से निवेशकों को लाभ मिलेगा, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट को ध्यान में रखते हुए सेबी अपने रुख पर दोबारा विचार कर रहा है। बढ़ती एफएंडओ (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) गतिविधियों के बीच नकदी बाजार को अधिक सर्ि य बनाने पर भी सेबी की नजर है। नियामक ऐसे उपायों पर काम कर रहा है, जिनसे नकदी श्रेणी में शॉर्ट सेलिंग और अन्य ट्रेडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिले, ताकि बाजार में संतुलित भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

सरकार ने चार श्रम संहिताएं लागू कीं

- श्रमिक कल्याण और सुरक्षा में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए संसद द्वारा पारित चारों श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा कर दी है। लगभग पांच वर्ष पहले 29 मौजूदा श्रम कानूनों में सुधार कर इन्हें चार व्यापक श्रम संहिताओं वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य स्थिति संहिता के रूप में एकीकृत किया गया था। सरकार का कहना है कि इन संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और श्रम व्यवस्था को बदलती कार्य परिस्थितियों के अनुरूप आधुनिक बनाना है। नई श्रम संहिताओं के तहत देश के सभी नियोक्ताओं के लिए प्रत्येक श्रमिक को नियुक्ति पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित संपूर्ण श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज उपलब्ध कराना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के अलावा 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच भी अनिवार्य की गई है। महिलाओं को रात की पाली में काम करने की अनुमति देने के साथ कर्मचारियों राज्य बीमा लाभों का दायरा भी देशव्यापी किया गया है। ठेके पर तय अवधि के लिए काम करने वाले कामगार अब स्थायी श्रमिकों के समान सभी लाभों के पात्र होंगे और उन्हें पांच साल की बजाय केवल एक वर्ष बाद ग्रेच्युटी प्राप्त करने का अधिकार होगा।

बजट 2026-27 : वित्त मंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर व ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ की बैठक

- बैठक में उद्योग विशेषज्ञों और सरकारी शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया

नई दिल्ली (। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों को गति देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शु वार को नई दिल्ली में बुनियादी ढांचा और ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ 11वीं पूर्व-बजट परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य आगामी बजट के लिए इन क्षेत्रों से जुड़े सुझावों और चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा करना था, ताकि निवेश प्रोत्साहन, परियोजनाओं की गति और ऊर्जा सं मण से जुड़े मुद्दों को नीति निर्धारण में शामिल किया जा सके। बैठक में उद्योग जगत के कई प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें एफकॉन्स के प्रबंध निदेशक एस. परमशिवन, शापूरजी पलोनजी इंफ्रास्ट्र• र कैपिटल के निदेशक मनीष त्रिपाठी, जीएमआर ग्रुप के उप प्रबंध निदेशक के. नारायण राव, जेएम बैक्सी ग्रुप के निदेशक संदीप वाधवा और इंफ्राविजन फाउंडेशन के सीईओ जगन शाह शामिल थे। विशेषज्ञों ने नीति सुधार, परियोजना वित्तपोषण, लॉजिस्टिक्स दक्षता, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। सरकारी पक्ष से बिजली मंत्रालय, नौवहन मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकारभी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि प्राप्त सुझावों का बजट निर्माण में समुचित उपयोग किया जाएगा।

एक्सिस बैंक एनसीडी के ज़रिए 5,000 करोड़ तक जुटाएगा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने कहा कि वह कारोबार बढ़ाने के लिए गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। यह बैंक के निदेशक मंडल द्वारा मंजूर 35,000 करोड़ रुपये के धन जुटाने की योजना का हिस्सा है। इसे निजी नियोजन के आधार पर ऋण प्रतिभूति जारी कर जुटाया जाएगा।एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक का निजी नियोजन के आधार पर 5,000 करोड़ रुपये तक के पूरी तरह से भुगतान वाले, सीनियर, रेटेड, सूचीबद्ध, अनसिक्योर्ड, करयोग्य, विमोचनयोग्य, दीर्घावधिक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके कोष जुटाने का प्रस्ताव है।

सरकार डिजिटल कंटेंट पर सख्त नियंत्रण लाने की तैयारी में

- सरकार बदलेगी आईटी नियम, बदनाम करने वाली डिजिटल सामग्री पर लगेगी रोक

नई दिल्ली।

सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम 2021 में संशोधन करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित बदलावों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री प्रसारित नहीं की जाएगी जो अश्लील, मानहानिकारक, जानबूझकर गलत, आधी-सच्चाई वाली या हिंसा बढ़ावा देने वाली हो। मंत्रालय का कहना है कि नया नियम कंटेंट को सभ्य और नैतिक मानकों के अनुरूप बनाएगा। संशोधन विशेषकर भाग-3 के अंतर्गत आने वाले डिजिटल वीडियो इंटरमीडियरी और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर लागू होगा। इनमें यूटयूब, इंस्टाग्राम, नेटफिलक्स, एमेजान, प्राइम वीडियो आदि शामिल हैं। इसके साथ ही समाचार चैनलों और अखबारों के डिजिटल पोर्टल भी इस दायरे में आएंगे।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी डिजिटल सामग्री जाति, धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता या किसी समूह का अपमान नहीं करेगी, लोगों को अपराध के लिए उकसाएगी या हिंसा को बढ़ावा नहीं देगी। इसके अलावा, कंटेंट सामाजिक, सार्वजनिक या नैतिक जीवन की निंदा या बदनामी नहीं कर सकता। प्रस्ताव के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने पर वही सजा दी जाएगी जो वर्तमान में अश्लील सामग्री प्रसारित करने पर लागू होती है।

इसके साथ ही डिजिटल कंटेंट के लिए रेटिंग सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है, ताकि सामग्री की प्रकृति के अनुसार वर्गीकरण हो सके। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि ये बदलाव अभी केवल प्रस्तावित हैं।

इन्हें लागू करने से पहले अंतिम प्रर्ि या और नियमों का निर्धारण किया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री को नियंत्रित करना और डिजिटल कंटेंट को जिम्मेदार बनाना है।

नीरव मोदी की दो मर्सिडीज कारें नीलामी के लिए तैयार, ईडी ने दी अनुमति

- पीएनबी घोटाले में आरोपी की कारें अब आम जनता खरीद सकेगी

मुंबई।

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और भगोड़े व्यवसायी नीरव मोदी की दो लग्जरी मर्सिडीज कारें अब नीलामी के लिए उपलब्ध होंगी। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इन गाड़ियों की बिं ी की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि कारें लंबे समय से ईडी की कस्टडी में हैं, बिना उपयोग खड़ी हैं और उनकी वैल्यू लगातार घट रही है। साथ ही मेंटेनेंस का खर्च बढ़ रहा है। सरकार अब इन्हें बेचकर नुकसान कम करना चाहती है। नीलामी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से की जाएगी। इच्छुक खरीदार एमएसटीसी या बैंक ई-ऑक्शन पोर्टल पर बोली लगा सकते हैं। तारीख और प्रक्रिया जल्द ही ईडी की वेबसाइट और अखबारों में घोषित की जाएगी। नीरव मोदी और मेहुल चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। आरोपी जनवरी 2018 में देश छोड़कर भाग गए थे और वर्तमान में लंदन में प्रत्यर्पण के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे पहले ईडी नीरव मोदी की 2,600 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति बेच चुका है, जिसमें मुंबई और पुणे की प्रॉपर्टी, लंदन का अपार्टमेंट, हीरे और महंगी पेंटिंग्स शामिल थीं। अब ये दो मर्सिडीज कारें भी इस सूची में शामिल होंगी।

देश में पेट्रोल-डीजल के रेट में बदलाव, कुछ शहरों में महंगा, कुछ में सस्ता

- दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी कर दिए। शु वार हो देश के कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखने को मिला है। जहां उत्तर भारत के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए हैं, वहीं दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली के पड़ोसी शहर गुरुग्रा* में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल 7 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचा। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे महंगा होकर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 94.73 रुपए और डीजल 6 पैसे बढ़कर 87.86 रुपए प्रति लीटर हो गया। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 'मशः 105.58 और 91.82 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे बढ़कर 95.53 रुपए और डीजल 1 रुपए महंगा होकर 88.79 रुपए प्रति लीटर हो गया। भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल दोनों 18 पैसे घटकर 'मशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर बिक रहे हैं। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता होकर 107.30 और 96.18 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। आगरा में पेट्रोल और डीजल 5-5 पैसे सस्ते हुए। अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे की गिरावट के साथ 'मशः 95.31 और 88.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहे हैं।

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम ऊँचा किया

उदयपुर।

विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक प्रोड्यूसर और इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स (आईसीएमएम) में एशिया की पहली कंपनी हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम ऊँचा कर दिया है। कंपनी ने स्वीडन की गारपेनबर्ग जिंक खदान में आयोजित दुनिया की सबसे गहरी मैराथन में हिस्सा लेकर दो नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा और सीओओ किशोर एस. ने 18 देशों के 57 प्रतिभागियों के साथ समुद्र तल से 1,120 मीटर नीचे, लगभग पूर्ण अंधकार, उच्च आर्द्रता और चुनौतीपूर्ण भूभाग के बीच मैराथन पूरी की।

इस मैराथन ने दो श्रेणियों में गिनीज रिकॉर्ड कायम किए द डीपेस्ट मैराथन (इंडिविजुअल), द डीपेस्ट अंडरग्राउंड मैराथन डिस्टेंस रन (टीम)। इसके साथ ही मिश्रा इन श्रेणियों में स्थान पाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जो भारतीय कॉर्पोरेट नेतृत्व और भारत के खनन क्षेत्र के लिए गर्व का ऐतिहासिक क्षण है।

ऊपर से 30 डिग्री तापमान, नमी, बजरी वाला इलाका और बहुत कम दृश्यता-इन सभी चुनौतियों के बीच एथलीट्स ने 3.84 किमी लंबी सुरंग के 11 चक्कर पूरे कर मैराथन को पूरा किया। इस आयोजन का उद्देश्य बीकम एक्स फाउंडेशन और वाइड एट हार्ट फाउंडेशन के लिए 1 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि जुटाना था।

सीईओ मिश्रा ने कहा कि इस मैराथन में हिस्सा लेना केवल एक एंड्योरेंस चैलेंज नहीं था, बल्कि यह इस बात का जीवंत उदाहरण है कि माइनिंग इंडस्ट्री कैसे सुरक्षित और तकनीकी रूप से आगे बढ़ी है। मुझे गर्व है कि हिन्दुस्तान जिंक इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग आयोजन का हिस्सा बना। यह साबित करता है कि सुरक्षा, तकनीक और सहयोग के साथ हम सबसे कठिन परिस्थितियों में भी असंभव को संभव बना सकते हैं।

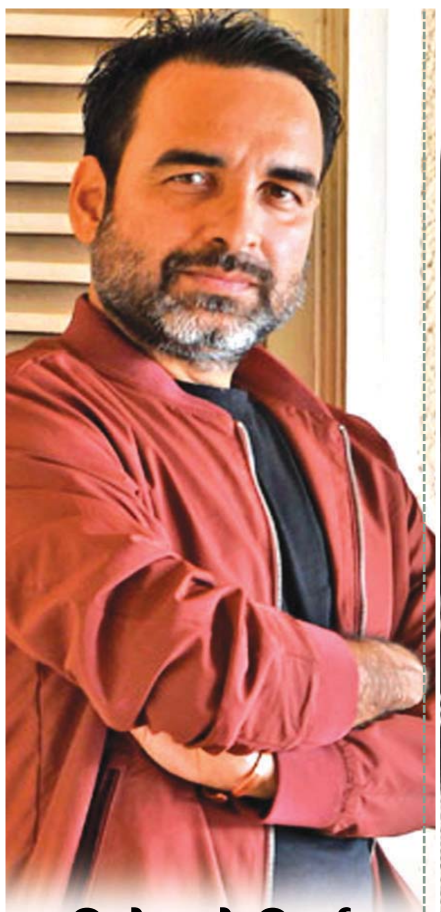

अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़े पंकज त्रिपाठी

परफेक्ट फैमिली से करेंगे डेब्यू

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, परफेक्ट फैमिली। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा।

ये सितारे आएंगे नजर

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज परफेक्ट फैमिली को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी ने शेयर की खुशी

परफेक्ट फैमिली एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पकंज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे। एक्टर ने आगे कहा, यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

बॉलीवुड की युवा अभिनेत्रियां जिन्होंने कम उम्र में किया डेब्यू

बॉलीवुड में हमेशा से नए चेहरे लॉन्च होते रहे हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस रातोंरात प्रसिद्ध हो जाती हैं। कई बार तो ये अभिनेत्रियां बहुत कम उम्र में ही अपनी पहचान बना लेती हैं। ऐसी ही पांच युवा अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने कम उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इनमें से कुछ ने अभी-अभी शुरुआत की है, जबकि कुछ ने अपनी पहली फिल्मों से ही सबका ध्यान खींच लिया।

अनीत पड्डा

अनीत पड्डा एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो पंजाब के अमृतसर में 14 अक्टूबर 2002 को एक साधारण सिख परिवार में पैदा हुईं। वे बहुत कम उम्र से ही मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करने लगीं। अनीत ने कई टीवी ऐड्स में काम किया है। अनीत ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू 2022 में फिल्म सलाम वेंकी से किया, जब उनकी उम्र मात्र 20 साल थी। इसके बाद 2024 में अनीत अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में लीड रोल में नजर आईं। 2025 में अनीत को असली ब्रेक मिला फिल्म सैयारा से, जो मोहित सूरी द्वारा निर्देशित है। इसमें उन्होंने आहान पांडे के साथ लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने अनीत को रातोंरात स्टार बनाया दिया।

शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। शनाया का जन्म 3 नवंबर 2000 को मुंबई में हुआ। 2019 में जब वे 19 साल की थीं, उन्होंने गुंजन सक्सेना – द कारगिल गर्ल फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। लेकिन एक्टिंग डेब्यू की बात करें तो 2025 में फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से हुआ, जब उनकी उम्र 24 साल थी। यह विक्रांत मैसी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में शनाया की परफॉर्मेंस को सराहा गया।

सई मांजरेकर

सई मांजरेकर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता–निर्देशक महेश मांजरेकर और अभिनेत्री मेधा मांजरेकर की बेटी हैं। वे 24 दिसंबर 2001 को मुंबई में पैदा हुईं। सई ने बहुत कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। 2012 में, जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, उन्होंने मराठी फिल्म काकस्पर्श में एक छोटा रोल किया, जो उनका पहला डेब्यू था। लेकिन बॉलीवुड में उनका असली डेब्यू 2019 में फिल्म दबंग 3 से हुआ, जब उनकी उम्र 18 साल थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ खुशी चौटाला का रोल निभाया। सई अब 23 साल की हैं और हिंदी–तेलुगु दोनों इंडस्ट्री में काम कर रही हैं।

नितांशी गोयल

नितांशी गोयल एक बाल कलाकार से शुरू करके लीड एक्ट्रेस बनीं। वे 12 जून 2007 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में पैदा हुईं। उनके पिता नितिन गोयल एक बिजनेसमैन हैं और मां राशि गोयल उनके करियर को सपोर्ट करती हैं। नितांशी ने 2016 में फिल्म मन में विश्वास है से अपना फिल्म डेब्यू किया, जब वे मात्र 9 साल की थीं। इसके अलावा टीवी शोज जैसे थपकी प्यार की, नागार्जुन – एक योद्धा और इनसाइड एज में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक उन्हें 2024 में आई फिल्म लापता लेडीज से मिला, जो आमिर खान की प्रोडक्शन है। इस कॉमेडी–ड्रामा में उन्होंने फूल कुमारी का लीड रोल निभाया, जब उनकी उम्र 17 साल थी।

राशा थडानी

राशा थडानी सुपरस्टार रवीना टंडन और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी हैं। वे 16 मार्च 2005 को मुंबई में पैदा हुईं। स्टार किड होने के बावजूद, उन्होंने कम उम्र में ही डेब्यू की प्लानिंग की। 2025 में फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया, जब उनकी उम्र 20 साल थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इसमें अमन देवगन (अजय देवगन के भतीजे) के साथ लीड रोल है। फिल्म में दीया पेंटी और अजय देवगन भी हैं।

रणवीर सिंह ने की 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन की जमकर तारीफ

चालीस साल के हो चुके रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' में अपने से 20 साल छोटी अभिनेत्री सारा अर्जुन के साथ रोमांस करने को तैयार हैं। जब फिल्म की घोषणा हुई थी तो हर कोई इस बात पर काफी हैरान था। हालांकि, अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद, लोगों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। खुद रणवीर सिंह ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सारा अर्जुन की जमकर तारीफ की है।

रणवीर ने सारा को बताया टैलेंटड

धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन को संबोधित करते हुए कहा कि सारा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम यहां इस मंच पर हैं। आपके लिए कितना खास पल है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं आपके लिए ऐसे खास पल का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। सारा एक टेलेंटेड इंसान है। कुछ लोग होते हैं जिनके बारे में बचपन से ही पता होता है कि वो कितने प्रतिभाशाली हैं। जैसे एक बार डकोटा फैनिंग आई थी हॉलीवुड में। सारा, मुझे लगता है कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए कई लोगों को पीछा छोड़ा है। यह आपकी प्रतिभा का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि ये 50 फिल्म करके आई हैं। वह एक व्यक्ति के रूप में, एक कलाकार के रूप में बहुत ही असाधारण हैं। जाहिर है कि सारा अर्जुन 'धुरंधर' में पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

यकीन नहीं हो रहा ये आपकी पहली फिल्म है

आगे अपनी को–एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए रणवीर सिंह ने कहा कि आप उन बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने स्क्रीन साझा की है। उसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि यह आपकी पहली फिल्म है। एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें मैं बहुत प्यार और सम्मान देता हूं, मणिरत्नम सर, आपने उनकी फिल्मों में भी काम किया है। आपने अपनी क्षमता दिखाई है और अब दुनिया आपको बड़े मंच पर देखेगी। मैं वाकई बहुत खुश हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। थैंक्यू सारा।

5 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'धुरंधर' की बात करें तो आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

लोगों को हंसा-हंसाकर रुलाएगी मस्ती 4

मस्ती और क्या कूल हैं हम जैसी फिल्म फ्रेंचाइजी के जरिए भारतीय सिनेमा में अडल्ट कॉमिडी जॉनर को मजबूती देने वाले राइटर-डायरेक्टर मिलाप जवेरी एक लंबे अरसे बाद अब इसी कड़ी में मस्ती 4 लेकर आ रहे हैं। इन दिनों अपनी पिछली फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की सफलता एंजॉय कर रहे मिलाप जवेरी से उनके फिल्म चॉइसेज को लेकर खास बातचीत -

आज रियलिस्टिक और ग्लोबल फिल्मों का दौर है। आपको क्यों लुभाता है यह 90 वाला कमर्शल सिनेमा?

थिएटर में कर्मशल सिनेमा ही आखिर में चलता है। आप इस साल की चार बड़ी फिल्में ले लीजिए, छावा, सैयारा, रेड 2 और एक दीवाने की दीवानियत, ये सभी कमर्शल कहानियां हैं। कोई आर्ट हाउस सिनेमा नहीं है। सभी अपने–अपने ढंग से एंटरटेन करती हैं और ऑडियंस को एंटरटेन करने वाला कमर्शल सिनेमा ही चाहिए। जितना हम उससे दूर भागेंगे, हर साल हमारी फिल्मों की सफलता उतनी कम होती जाएगी। जितना हम ग्लोबल होने के चक्कर में पड़ेंगे, उतना अपनी जड़ों, अपने देसीपन भूलते जाएंगे और गलतियां करते जाएंगे। इसलिए, मेरी कोशिश तो हमेशा यही रहेगी कि मैं कमर्शल और मनोरंजक फिल्में ही बनाऊं, क्योंकि जब हम अपनी मिट्टी से जुड़ी कहानियां नहीं बताते तो ऑडियंस हमसे दूर हो जाती है। एक दीवाने की दीवानियत को जो लोग बोल रहे हैं कि 90 के दौर की कहानी है, वो यह भी देखें कि उसी 90 के दौर की कहानी को दर्शकों ने 100 करोड़ के पार पहुंचा दिया। मुझे उम्मीद है कि जैसे दीवानियत ने लोगों को रुलाया, वैसे मस्ती 4 हंसा–हंसा कर रुलाएगी।

मतलब आपका कहना है कि बॉलिवुड फिल्ममेकर्स ऑडियंस को पहचानने में भूल कर रहे हैं?

बिल्कुल, हम आलोचकों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। हम सिर्फ शहरी दर्शकों को खुश करने में एक्स्ट्रा मेहनत करते हैं और भूल जाते हैं कि इंडिया भारत में बसा हुआ है और उस भारत को मनोरंजन चाहिए, ज्ञान नहीं चाहिए। अगर हम दर्शकों को मनोरंजन देते रहेंगे, चाहे लव स्टोरी हो, ऐक्शन हो या कॉमिडी, वे उसे हमेशा सुपरहिट बनाएंगे। मैं हमेशा मास के लिए फिल्म बनाने की कोशिश करता हूं क्योंकि हमारे थिएटर में मास ऑडियंस ही आती है।

मस्ती फेंचाइजी को वापस लाने का ख्याल क्यों आया? जबकि, आपके लीड ऐक्टर की उम्र 40–50 के पास पहुंच चुकी है?

मस्ती एक सदाबहार इमोशन है। आप 20 साल के हो, 40 के या 50 के, मस्ती करने का सोचता हर कोई है। वो करे या न करे, सोचता तो है तो आज भले विवेक ओबरॉय, आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख की उम्र और कमर अलग है, मगर पर्दे पर मस्ती वे अब भी उतनी ही करते हैं। फिर, मस्ती रितेश, विवेक और आफताब के बगैर बन ही नहीं सकती। ये तीनों इसके अमर अकबर एंथनी हैं। इसके स्तंभ हैं और जब भी ये तीनों एक साथ आते हैं तो पब्लिक हंस हंसकर लोटपोट हो जाती है। तभी लोगों ने इस फेंचाइजी को इतना प्यार दिया है, तो जब हमें इसे आगे बढ़ाने लायक कहानी मिली तो हम चौथा पार्ट लेकर आ गए हैं। बाकी, ये तो अच्छा है कि कुछ सालों से ये जॉनर पर्दे पर नहीं आया है तो लोगों को इसे देखने को लेकर ज्यादा उत्सुकता है क्योंकि जब आप लोगों को कुछ चीजों से वंचित रखते हैं तो उसकी एक्साइटमेंट कहीं ज्यादा होती है।

क्रिटिसिजम को कैसे लेते हैं?

वो तो पार्ट एंड पार्सल है इस जॉनर का। इस जॉनर को हमेशा ऐसी ही ट्रोलिंग मिली है, मगर ऑडियंस ने हमेशा प्यार दिया है तो मुझे ट्रोल्स की फिक्र नहीं होती है। उनकी राय उनको मुबारक हो। हम तो उन ऑडियंस के लिए ये बना रहे हैं, जिन्हें ये शरारतें, मस्ती, ये ह्यूमर और डबल मीनिंग जोक्स पसंद आता है। यह फिल्म उन ऑडियंस के लिए बनी है, अगर आपको ये चीजें नहीं पसंद आती हैं तो आप यह फिल्म मत देखिए।

रितेश देशमुख और जॉन अब्राहम के साथ आपके रिश्ते की मजबूती का क्या राज है?

इन दोनों का ही जन्मदिन 17 दिसंबर को होता है तो इस दिन की कुछ तो खास बात जरूर होगी, क्योंकि दोनों मेरे दिल के बहुत करीब हैं। रितेश ने हमेशा मेरा साथ दिया है। वह मेरे मित्र भी हैं। मेरे सेठ जी भी हैं। जॉन (अब्राहम) को मैं मेरा हल्क बुलाता हूं। जॉन ने मुझे सत्यमेव जयते के साथ एक नया करियर दिया था और वे आज भी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। इन दोनों ने हर अच्छे–बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in